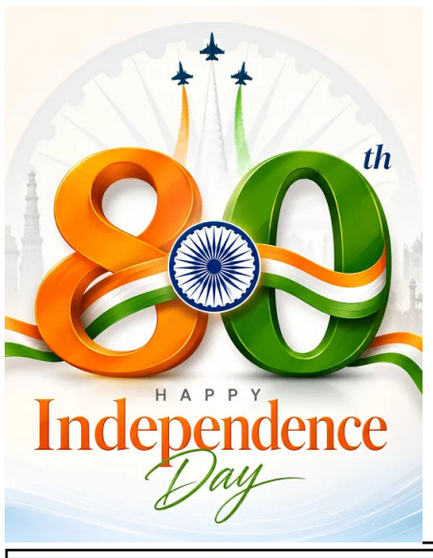
www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

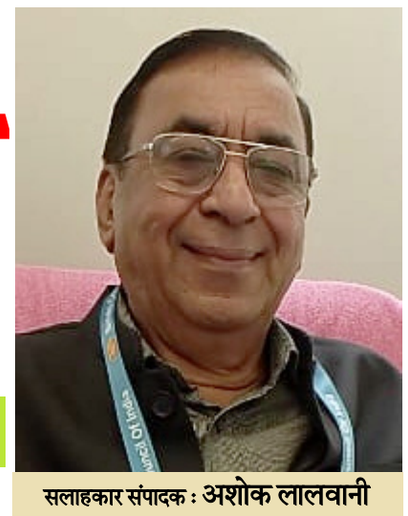
RNI NO. DELHI/2003/09049



दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 294 नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये



सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

मुर्मु, मोदी सहित विभिन्न नेताओं ने अर्पित की वाजपेयी को श्रद्धांजलि



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन सहित विभिन्न नेताओं ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। तमाम भाजपा नेता श्री वाजपेयी के स्मृतिस्थल 'सदैव अटल' पहुंचे और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

मशहूर बांग्ला फिल्म निर्देशक राजा सेन का निधन



कोलकाता। मशहूर बांग्ला फिल्म 'दामू' के निर्देशक राजा सेन का रविवार सुबह कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में निधन हो गया। वह 71 साल वर्ष के थे और कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री सेन कई दिनों से गंभीर रूप से बीमार थे और उन्हें एसएसकेएम में भर्ती कराया गया था, जहां उनका कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज चल रहा था। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था लेकिन फेफड़ों, दिल और किडनी पर असर पड़ने के कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई। उनके फिल्म करियर की शुरुआत 1996 में 'दामू' से हुई थी।

डीआरआई ने सुपारी आयात में पकड़ा करोड़ों का घोटाला

कोलकाता। राजस्व खुफिया निदेशालय ने आयात की जाने वाली सुपारी को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बंगलादेशी मूल का बताकर लाने और दक्षिण एशियाई स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) समझौते के तहत सीमा शुल्क छूट का अवैध लाभ उठाने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में अब तक 2,500 करोड़ रुपए से अधिक के सीमा शुल्क चोरी का खुलासा हुआ है और इस सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल के आधिकारिक दौरे पर



नई दिल्ली। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ रविवार को नेपाल की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। सेना प्रमुख की यह यात्रा भारत और नेपाल के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नेपाल में सेना प्रमुख 17 से 19 अगस्त तक महत्वपूर्ण बैठकों व कई द्विपक्षीय संवादों में शामिल होंगे। 17 अगस्त से प्रारंभ होने वाली उनकी आधिकारिक यात्रा 19 अगस्त को संपन्न होगी।

बंगाल में सीजेपी कार्यकर्ता के पिता की पिटाई से मौत

पश्चिम बंगाल में सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान में शामिल हुए थे

- दीपके बाले, स्कूल की बदहाली दिखाने पर हमला
- इंसाफ दिलाने तक चुप नहीं बैठने की बात कही



कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता जनाब मफीक की 15 अगस्त को हमले में लगी गंभीर चोटों से मौत हो गई। सीजेपी के मुताबिक, मफीक अपने गांव करिसुंडा के सरकारी स्कूल में सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान में शामिल हुए थे। उन्होंने स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाया था। उसी शाम हथियारबंद लोगों ने उनके घर में घुसकर उन्हें पीटा। सीजेपी का कहना है कि हमलावरों ने उनसे माफी मांगते हुए वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा। इनकार करने पर परिवार पर हमला किया गया। इसमें हफीज और उनके पिता के सिर में गंभीर चोट आई। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अब्दुल और उनके परिवार को इंसाफ दिलाने तक चुप नहीं बैठेंगे। सीजेपी की टीम पश्चिम बंगाल जाएगी।

सीजेपी ने शुरू किया 'स्कूल ठीक करो' अभियान



अभिजीत दीपके ने शनिवार को महाराष्ट्र के हिंगोली में अपने गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार की अनदेखी की वजह से गरीब छात्रों को नुकसान हो रहा है, और उन्होंने प्राइवेट स्कूलों की फीस पर सीमा लगाने की मांग की। उन्होंने कहा था कि 'स्कूल ठीक करो अभियान' के अगले चरण में वे महाराष्ट्र के अन्य इलाकों के सरकारी स्कूलों का दौरा करेंगे ताकि यह देख सकें कि छात्रों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं।

छात्र आंदोलन की राहुल ने की तारीफ, बोले

युवाओं ने शासन के सामने खड़े होकर जवाबदेही मांगी

अब युवाओं की आवाज दबाई नहीं जा सकेगी



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 22 अगस्त को महाराष्ट्र के पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं ने इस शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है।

भाजपा कार्यकर्तओं पर हत्या का आरोप

जंतर-मंतर पर बनाए वीडियो डिलीट करवाए

अब्दुल हफीज ने कहा कि स्थानीय बीजेपी नेताओं के जानलेवा हमले के डेढ़ दिन बाद शनिवार को उनके पिता की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त की रात करीब 8 बजे कुछ लोगों ने घर पहुंचकर उन्हें घेर लिया और बुजुर्ग पिता के साथ मारपीट की। हमलावरों ने फोन छीनकर स्कूल व जंतर-मंतर पर बनाए गए वीडियो जबरन डिलीट करवा दिए। हाफिज ने कहा कि धारदार हथियारों से हमला किया गया।

उज्जैन में महाकाल की भस्म आरती में पहुंचे कुमार विश्वास

उज्जैन, 16 अगस्त (हि.स.)। श्रावण शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के पावन अवसर पर रविवार तड़के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। देश के प्रसिद्ध कवि एवं वक्ता कुमार विश्वास ने बाबा महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। भगवा चोला पहने कुमार विश्वास करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दिव्य दर्शन करते रहे। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयघोष से गूंजता रहा। कुमार विश्वास का श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी ने उनका स्वागत किया। भस्म आरती के बाद मंदिर समिति ने उनका सत्कार भी किया । दर्शन के बाद मीडिया से कुमार विश्वास ने कहा कि ह्यह महज संयोग नहीं है। बाबा महाकाल की कृपा है कि हर श्रावण में किसी न किसी बहाने मेरी हाजिरी लग जाती है। उन्होंने कहा कि श्रावण हिंदू परंपरा के सबसे पवित्र महीनों में से एक है और ऐसे पावन समय में बाबा महाकाल के दर्शन होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। कुमार विश्वास ने स्वतंत्रता दिवस की भी बधाई दी हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता का 80वां चरण पूरा हुआ है। भारत माता अपने पुर्न वैभव को प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के चरणों में उन्होंने कृतज्ञता, धन्यवाद और प्रार्थना अर्पित की है। दर्शन के बाद मन में गहरी शांति का अनुभव हुआ। कुमार विश्वास ने कहा कि श्रावण के पवित्र माह में महाकाल के दर्शन होना उनके लिए संचित पुण्य कर्मों का प्रतिफल है। युवाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर कुमार विश्वास ने कहा कि युवा ही भारत का भविष्य है और भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि आज का युवा अपनी चेतना और सांस्कृतिक पहचान को लेकर पहले से अधिक सजग है। उन्होंने कहा कि युवाओं में भारतीय दर्शन और संस्कृति के प्रति बोध जागृत हुआ है। यही वजह है कि नववर्ष, विभिन्न उत्सवों और पर्वों के अवसर पर युवा देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की ओर बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। उनके अनुसार यह बदलाव भारत की सांस्कृतिक चेतना के जागरण का संकेत है। इधर, रविवार को श्रावण शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर महाकाल मंदिर में भस्म आरती की शुरूआत तड़के हुई। सुबह करीब 3 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया।

पीएम मोदी ने विपक्ष के नेताओं को नहीं कहा 'दिमागी नक्सली': रिजिजू

बोले, 'दिमागी नक्सली' सिर्फ वे लोग हैं जो माओवादियों का समर्थन करते हैं



नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। 'दिमागी नक्सली' को लेकर हो रहे विवाद के बीच संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्टीकरण दिया है। किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री ने विपक्ष के नेताओं को 'दिमागी नक्सली' नहीं कहा है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं को 'दिमागी नक्सली' नहीं कहा।

'दिमागी नक्सली' सिर्फ वे लोग हैं जो माओवादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते, अलगावादियों के साथ खड़े होते हैं और अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं और नॉर्थ-ईस्ट को भारत से अलग करने के लिए 'चिकन नेक' को काटना चाहते हैं।' दरअसल, प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर देश के संबोधन में कहा था, 'नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं के भविष्य को तबाह कर दिया, अनेक माताओं से उनके नौजवानों को छीन लिया, उन्हें बर्बाद कर दिया और मां-बाप के सपनों को चूर-चूर कर दिया।

यह प्रधानमंत्री की हताशा का संकेतः जयराम रमेश



प्रधानमंत्री के बयान पर जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, 'पहले उन्होंने अपने विरोधियों को 'अर्बन नक्सल' कहा। अब वे उन्हें 'दिमागी नक्सल' कर रहे हैं। यह उनकी हताशा का निश्चित संकेत है। यह अलग बात है कि आखिरकार वे वही करते हैं जिसकी ये तथाकथित 'अर्बन नक्सल' या अब 'दिमागी नक्सल' मांग या वकालत करते हैं।'

खनौरी बॉर्डर पर बढ़ी हलचल

किसानों को रोकने के लिए लगाई 'बैरिकेड की दीवार'!

हरियाणा पुलिस ने अंतरराज्यीय सीमा पर कई स्तरों के बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद किया

- एसकेएम ने 'किसान बचाओ पदयात्रा' का आह्वान किया है
- जंतर-मंतर तक 29 को पंचायत के साथ समाप्त होगी यह पदयात्रा



चंडीगढ़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के बैनर तले किसानों के खनौरी-दाता सिंह वाला बॉर्डर के रास्ते हरियाणा में प्रवेश करने के लिए एकत्र होने के बीच हरियाणा पुलिस ने रविवार को अंतरराज्यीय सीमा पर कई स्तरों के बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद कर दिया। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने हरियाणा-पंजाब सीमा पर स्थित दाता सिंह वाला गांव से दिल्ली के जंतर-मंतर तक 228 किलोमीटर लंबी 'किसान बचाओ पदयात्रा' का आह्वान किया है। यह पदयात्रा 29 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में किसान पंचायत के साथ समाप्त होगी। यह पदयात्रा प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर निकाली जा रही है।

यह अवरोधक बीजेपी सरकार को बेनकाब करते हैंः डल्लेवाल

हरियाणा में सुरक्षा व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर डल्लेवाल ने कहा, ''यह अवरोधक बीजेपी सरकार को बेनकाब करते हैं। पहले उन्हें तब समस्या होती थी जब किसान ट्रैक्टर लेकर आते थे। अब जब किसानों का एक छोटा समूह पैदल दिल्ली जाना चाहता है, तब भी उन्हें समस्या है और वे हमें आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। इससे सरकार का किसान विरोधी चेहरा सामने आता है।'

एमएसपी गारंटी और ट्रेड डील समेत कई मांगें

किसानों की प्रमुख मांगों में भारत-अमेरिका ट्रेड डील, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी और खनौरी आंदोलन से जुड़ी लंबित मांगें शामिल हैं। किसान संगठनों का कहना है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील का किसानों और कृषि क्षेत्र पर क्या असर पड़ेगा, इसे लेकर सरकार को किसानों की चिंताओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। किसान नेताओं का कहना है कि जब तक उनकी प्रमुख मांगों पर सरकार की ओर से ठोस समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

एफएसएसएआई के नोटिस का असर

खाद्य कंपनियों ने भ्रामक दावों को हटाया

- लेबल और उत्पादों में किया बदलाव

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा भ्रामक दावों, गैर-मानकीकृत उत्पादों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर जारी नोटिसों के बाद कई खाद्य व्यवसाय संचालकों ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। यह जानकारी सरकारी एजेंसी की ओर से रविवार को दी गई। एफएसएसएआई ने कहा, 'नोटिस के बाद प्रमुख खाद्य व्यवसाय संचालकों ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। इन कदमों में भ्रामक लेबल दावों को हटाने से लेकर उपभोक्ता सुरक्षा और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उत्पादों की पैकेजिंग में बदलाव शामिल हैं।' एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ऑनेस्ट इनोवेशन फॉर यू प्राइवेट लिमिटेड और हेलियोस्टोन स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड को भ्रामक ट्रेडमार्क के उपयोग के लिए नोटिस जारी किया गया था। एफएसएसएआई के नोटिस के बाद दोनों कंपनियों ने अपने उत्पादों के नाम में बदलाव किया।

सुधारात्मक कदमों का जिक्र किया

एफएसएसएआई ने लिव्योर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अपने उत्पाद 'लिव्योर रोस्टेड एडामे बीन्स' के लेबल पर किए गए भ्रामक 'वीगन' और 'हेल्थी' दावों को लेकर उठाए गए सुधारात्मक कदमों का भी जिक्र किया। कंपनी ने कहा कि लागू नियमों की जानकारी के अभाव में ये दावे अनजाने में उत्पाद के लेबल पर छप गए थे। कंपनी ने इस उल्लंघन पर खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगी और आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। कंपनी ने संशोधित लेबल भी प्रस्तुत किया और कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दावों वाली मौजूदा पैकेजिंग सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।

इंडोनेशिया में भूकंप से 51 की मौत, 113 लोग घायल



- 9,290 लोग राहत शिविरों में शरण लेने का मजबूर

जकार्ता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में शनिवार को आये 7.7 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद के झटकों में 51 लोगों की मौत हो गयी तथा 113 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के अनुसार, 9,290 लोग राहत एवं निकासी केंद्रों में शरण लेने को मजबूर हुए हैं। बीएनपीबी के डेटा, सूचना एवं आपदा संचार केंद्र के कार्यवाहक प्रमुख बर्टन एसपी पंजैतान ने रविवार को बताया कि सिका जिले में सबसे अधिक 3,356 लोग और मंगराई में 2,078 लोग राहत शिविरों में हैं।

पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांतीय सरकार ने भूकंप के बाद 15 से 28 अगस्त तक 14 दिन की आपातकालीन प्रतिक्रिया अवधि घोषित की है। बीएनपीबी के अनुसार, भूकंप के बाद 341 झटके भी दर्ज किए गए।

100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा, पांच रुपये में मिलेगा 1 लाख लोगों को पौष्टिक भोजन

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार का कहना है कि रविवार को तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन का उद्घाटन करके राजधानी में 100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा हो गया है। सरकार का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर 2025 को लिया गया 100 अटल कैंटीन का संकल्प आज उनकी पुण्यतिथि पर पूर्ण हुआ। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रविवार को तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन का उद्घाटन कर उन्हें दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के शिक्षा आशीष सूद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी, विधायक सूर्य प्रकाश खत्री उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से इन 100 अटल कैंटीनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1 लाख श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध होगा।

तैयारी

कंटेंट हटाने के अनुरोधों को और ज्यादा पारदर्शी बनाएगा 'एक्स'

अब यूजर्स जान सकेंगे किसने हटवाई पोस्ट!

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। एलन मस्क ने घोषणा की है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स सरकारों के कंटेंट हटाने या उस पर रोक लगाने के अनुरोधों को अब यूजर्स के लिए ज्यादा पारदर्शी बनाएगा। यह कंटेंट मॉडरेशन, रेकमेंडेशन एल्गोरिदम और ऑनलाइन अभिव्यक्ति में आधिकारिक हस्तक्षेप को लेकर पारदर्शिता बढ़ाने की एक बड़ी पहल का हिस्सा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा कि सरकारों द्वारा जरूरी की गई कोई भी सेंसरशिप अब साफ

- सरकारों की सेंसरशिप अब दिखेगी साफ

तौर पर दिखाई देगी। इससे प्लेटफॉर्म का इरादा है कि सरकारी अधिकारियों के कहने पर की गई कार्रवाई के बारे में यूजर्स को ज्यादा जानकारी मिले। मस्क ने कहा, 'सरकारों द्वारा जरूरी की गई कोई भी सेंसरशिप



अब स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।' प्रस्तावित बदलावों के तहत एक्स यूजर्स यह देख पाएंगे कि कब सरकारें पोस्ट हटाने की मांग करती हैं या अकाउंट्स पर रोक लगाने का अनुरोध करती हैं। प्लेटफॉर्म यह भी बताने की योजना बना रहा है कि ऐसे अनुरोध किस एजेंसी ने किए हैं और जहां संभव हो, उसके लिए क्या कानूनी आधार या कारण बताया गया है। यह कदम मस्क के उस बड़े कदम का हिस्सा है जिससे प्लेटफॉर्म के मॉडरेशन और कंटेंट-डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को और ज्यादा पारदर्शी बनाया जा सके।

कंटेंट-रैंकिंग मैकेनिज्म को दिखाने की कोशिश

कंपनी ने अपनी रिकमेंडेशन टेक्नोलॉजी के कुछ हिस्सों को ओपन-सोर्स करने की कोशिशों को समर्थन किया है, जिससे रिसर्चर्स और यूजर्स यह देख सकें कि कंटेंट-रैंकिंग मैकेनिज्म कैसे काम करते हैं और पोस्ट्स को कैसे प्रमोट या सप्रेस किया जाता है। इस प्लेटफॉर्म का मकसद यूजर्स को उन फैक्टर्स के बारे में साफ जानकारी देना है जो कंटेंट की विजिबिलिटी पर असर डालते हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या पोस्ट्स को आगे बढ़ा रहा है, आगे बढ़ने से रोक रहा है या उन पर रीच रिस्ट्रिक्शन्स हैं।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी की हत्या के बाद दो माह से फरार आरोपित पिस्तौल और कारतूस के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। भलस्वा डेयरी इलाके में पत्नी उजमा की हत्या के मामले में दो माह से फरार चल रहे आरोपित को रोहिणी जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान भलस्वा डेयरी झुग्गी निवासी शरवर अली उर्फ राजू अली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। हत्या के बाद से आरोपित गिरफ्तारी से बच रहा था और उसे भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई भी चल रही थी। पुलिस के अनुसार, छह जून को भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में उजमा की हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में थाना भलस्वा डेयरी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत एफआईआर संख्या 307/2026 दर्ज की गई थी। मामले में शरवर अली को वांछित किया गया था। वारदात के बाद से वह लगातार अपना ठिकाना बदलकर पुलिस से बच रहा था। पुलिस अधिकारी के अनुसार एसटीएफ को सूचना मिली कि हत्या के मामले में वांछित आरोपित केएन काटजू मार्ग थाना क्षेत्र में मौजूद है। इसके बाद इंस्पेक्टर अमित दहिया के नेतृत्व में टीम ने इलाके में घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपित के पास से एक अवैध देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। हथियार बरामद होने के बाद केएन काटजू मार्ग थाने में 14 अगस्त को आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, हथियार बरामद होने के बाद पूछताछ और रिकॉर्ड की जांच की गई तो सामने आया कि शरवर अली अपनी पत्नी की हत्या के मामले में वांछित है। पुलिस उसके खिलाफ भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुकी थी। आरोपित की गिरफ्तारी की सूचना भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को दे दी गई है। अब पुलिस आरोपित को हत्या के मामले में रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। हत्या के पीछे की वजह, वारदात में इस्तेमाल हथियार और फरारी के दौरान उसके ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि फरारी के दौरान किसी अन्य व्यक्ति ने उसे छिपने या पुलिस से बचने में मदद तो नहीं की।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा आइवरी कोस्ट का नागरिक गिरफ्तार, 2024 में कोर्ट ने घोषित किया था भगोड़ा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। भारत में वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी रह रहे विदेशी नागरिकों की जांच के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन विस्टा 1.0 के तहत द्वारका पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने आइवरी कोस्ट के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर पहले भी फॉरेनर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हो चुका है। जांच में पता चला कि वह वर्ष 2024 से कोर्ट की कार्रवाई से बच रहा था और अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने रविवार को बताया कि आरोपित की पहचान ओकेचुक्वु जोसेफ के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार दिल्ली पुलिस आयुक्त के निर्देश पर विदेशी नागरिकों के वीजा और पासपोर्ट की जांच के लिए ऑपरेशन विस्टा 1.0 चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत द्वारका जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल को ओवरस्टे करने वाले विदेशी नागरिकों के साथ-साथ आपराधिक मामलों में शामिल विदेशियों का रिकॉर्ड जांचने की जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस अधिकारी के अनुसार इंस्पेक्टर सतीश कुमार यादव के नेतृत्व में टीम विदेशी नागरिकों की तलाश कर रही थी। तकनीकी निगरानी और मानवीय सूचना के आधार पर टीम ने आरोपित को डाबड़ी थाना क्षेत्र से पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपित से उसके वीजा और पासपोर्ट के बारे में पूछताछ की। इस दौरान उसने वर्ष 2020 में मोहन गार्डन थाने में दर्ज फॉरेनर्स एक्ट के मामले में मिली जमानत के आदेश दिखाए। पुलिस ने जब ई-कोर्ट पोर्टल पर मामले की स्थिति जांची तो पता चला कि अदालत ने 23 फरवरी 2024 के आदेश में आरोपित को भगोड़ा घोषित किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब उसके भारत में रहने, वीजा की स्थिति और पुराने मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

पानी के बिलों पर 100 फीसद लेट पेमेंट सरचार्ज माफी की योजना मार्च 2027 तक बढ़ी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने घरेलू और गैर-घरेलू के बकाया पानी के बिलों पर 100 फीसद लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) माफी की योजना को 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दिया है।

इस योजना से अब तक दिल्ली के 5,27,514 घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के तहत अब तक 3,261 करोड़ का एलपीएससी माफ किया जा चुका है, जिससे पुराने पानी के बकाये का भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। वहीं, राजस्व की दृष्टि से दिल्ली जल बोर्ड अब तक 815.84 करोड़ की मूल बकाया राशि वसूल कर चुका है।

इससे एक ओर उपभोक्ताओं को एलपीएससी से राहत मिल रही है, दूसरी ओर दिल्ली जल बोर्ड अपने वास्तविक बकाये की वसूली भी कर पा रहा है। यह योजना 14.09 लाख घरेलू और 70,312 वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को अपने पुराने पानी के बकाये का निपटारा करने का अवसर प्रदान करती है। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस योजना की अवधि बढ़ाना सरकार की उस सोच को दशार्ता है ! जिसमें वित्तीय अनुशासन के साथ आम उपभोक्ताओं की परेशानियों और जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी परिवार के लिए कई साल पुराना पानी का बिल लगातार चिंता का कारण बना रह सकता है। उस पर एलपीएससी जुड़ता रहे तो रकम इतनी बढ़ जाती है कि उसे चुकाना मुश्किल हो जाता है। हम लोगों को एक वास्तविक अवसर देना चाहते हैं- मूल राशि जमा कीजिए और एलपीएससी के बोझ से पूरी तरह मुक्त हो जाइए। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस राहत को सरल और पारदर्शी रखा है। जल मंत्री ने कहा कि हम लोगों से ज्यादा पैसा देने के लिए नहीं कह रहे हैं। हम सिर्फ वही मूल राशि जमा करने के लिए कह रहे हैं जो वास्तव में बकाया है। मूल राशि जमा करते ही 100 फीसद एलपीएसली माफ हो जाएगा। इससे उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत मिलेगी और साथ ही जल बोर्ड की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। जल मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि बढ़ाई गई समयसीमा को अनिश्चितकालीन राहत नहीं माना जाना चाहिए। दिल्ली जल बोर्ड के आदेश के अनुसार एलपीएससी माफी की यह सुविधा 31 मार्च 2027 तक ही उपलब्ध रहेगी और इसके बाद कोई और विस्तार नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अंतिम अवसर है। इसके बाद कोई और विस्तार नहीं होगा।

पिंक टिकट मुफ्त यात्रा 31 अगस्त तक बढ़ी, 1 सितंबर से पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड होगा अनिवार्य

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने अब तक पिक कार्ड नहीं बना सकने वाली महिला यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बसों में मुफ्त यात्रा के लिए पेपर-बेस्ड पिंक टिकट की मौजूदा व्यवस्था को 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। अब 1 सितंबर, 2026 से बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाने के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड (एनसीएमसी) अनिवार्य हो जाएगा। पहले 15 अगस्त पिंक टिकट व्यवस्था की अंतिम तारीख थी। दिल्ली सरकार ने यह फैसला त्योहारों के मौसम और रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया है, ताकि त्योहारों के दौरान ज्यादा भीड़-भाड़ के समय महिला यात्री बिना किसी परेशानी के बसों में यात्रा कर सकें। अनिवार्य समय-सीमा को बढ़ाने से पात्र महिला यात्रियों को अपने पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए अतिरिक्त समय भी मिलेगा। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि त्योहारों का मौसम, खासकर रक्षाबंधन एक ऐसा समय होता है, जब हमारी माताएं, बहनें और बेटियां अपने परिवारों से मिलने के लिए यात्रा करती हैं।

गांधीजी की पाठशाला और सृजन के संयुक्त तत्वावधान में 80वें स्वतंत्रता दिवस पर कविता पाठ

नई दिल्ली, 15 अगस्त (नितिन गुप्ता/प्रणव कुमार)। 80वें स्वाधीनता दिवस के मौके पर गांधीजी की पाठशाला एवं सृजन साहित्यिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गूगल मीट के माध्यम से विशेष व्याख्यान एवं कविता पाठ का आयोजन किया गया।

इस वैचारिक और सांस्कृतिक सत्र की मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रतिष्ठित समाचार पत्र अमर उजाला की लोकप्रिय पत्रकार व लेखिका दीपाली अग्रवाल रही, जिन्होंने अपने ओजस्वी वचनों तथा कविताओं से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की भूमिका डॉ. सुभाष गौतम ने रखते हुए कहा कि गुरु शिष्य परम्परा पर आधारित या 1489वीं पाठशाला है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना व शिक्षा का संचार किया जाता है। पाठशाला का आयोजन सहयोगी सदस्य हिमांशु, अरिमर्दन दुबे, स्नेहा शाहा और अमृत भारत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कोविड-19 कोरोना काल जैसी विकट और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी इस अनूठी पाठशाला के निरंतर चलते रहने के संघर्षपूर्ण व प्रेरणादायी सफर को विशेष रूप से याद किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य आकर्षण विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों तथा युवा रचनाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए भावुक एवं क्रांतिकारी कविता पाठ रहे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समां बांध दिया।

इस काव्य गोष्ठी में स्नेहा ने कविता पाठ की शुरूआत की, अमृत भारत ने इस पाठशाला में कदम मिलाकर चलना होगा कविता प्रस्तुत किया, और ऋषिराज ने वीरो का कैसा हो वसंत शीर्षक से ओजपूर्ण काव्य पाठ किया।

इसके साथ ही, डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् इकाई उपाध्यक्ष ऋषि सिंह उपस्थित रहे तथा अमित बिश्नोई ने रण बीच की चौकड़ी पर सिद्धार्थ ने आग जलनी चाहिए, नितिन ने मैं रहूं या न रहूं हिंदुस्तान रहना चाहिए, आयुष ने आजादी, तथा हिमांशु ने लहू से आज भी मैं आज भी एक नया इतिहास लिखता हूं, पीयूष तिवारी ने क्योंकि मुझे पढ़ना है, क्योंकि मैं लड़की हूं विषयक कविता से सामाजिक चेतना का संदेश दिया, जबकि मुख्य अतिथि दीपाली अग्रवाल ने प्रेम और इच्छा विषय पर अपने विचार रखते हुए पत्रकारिता व साहित्य के अंतर्संबंधों को समझाया।

गोष्ठी में डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज की छात्रा ब्यूटी ने नाम निर्भया भय में थी मै, मुस्कान ए भारत माता, तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज की बी.ए. प्रोग्राम की छात्रा नंदिनी मैं तीसरे स्थान का मुलजिम ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

इसके अतिरिक्त, प्रशांत पाण्डेय ने मेट्रो का सफर, समाज और कॉलेज, दीपिका ने मिट्टी की खुशबू में हिंदुस्तान है'तथा अरिमर्दन ने नहीं नहीं कहीं नहीं है घर और रात्रि का कोई पहर जैसे भावपूर्ण पाठ किए।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने इस बात पर जोर दिया कि यह मंच केवल एक साधारण पाठशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर एक व्यक्ति को अपनी बात और मुखरता से अपनी आवाज रखने का समान अवसर प्रदान करती है।

इस पूरे आयोजन का एकमात्र व मुख्य उद्देश्य एक सुसंस्कृत, संवेदनशील और सुदृढ़ समाज का निर्माण करना है।

लालबाग हत्याकांड में दो आरोपित उत्तराखंड से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। उत्तर पश्चिमी जिले के आदर्श नगर थाना पुलिस ने आजादपुर के लालबाग झुग्गी इलाके में हुई हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपितों को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने वारदात के बाद आरोपितों का करीब 550 किलोमीटर तक पीछा किया और उन्हें उत्तराखंड में छप्पर टोल नाका के पास किराये की कार में जाते समय दबोच लिया।

आरोपितों के कब्जे से किराये की एक पंच कार और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपितों में अमन उर्फ मुल्ला और अनुज उर्फ मोनी शामिल हैं। अनुज जहांगीरपुरी थाने के एक अन्य हत्या के मामले में भी वांछित था।

पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त की रात आदर्श नगर थाना क्षेत्र के लालबाग झुग्गी इलाके में चाकू से हमला और गोली चलने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो घायल युवक को बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पेट और पीठ पर गोली लगने के निशान थे। पीठ पर चाकू से हमला किए जाने की चोट भी मिली थी।

मौके पर मिले प्रत्यक्षदर्शी साहिल ने पुलिस को बताया कि रात करीब 11:30 बजे वह मृतक के साथ अपने घर के पास मौजूद था। दोनों जब नजदीकी दुकान की ओर गए तो वहां अमन उर्फ मुल्ला अपने एक साथी के साथ मिला। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोपितों ने उन्हें धमकी दी और वहां से चले गए। कुछ देर बाद जब दोनों वापस लौट रहे थे, तभी आरोपित दोबारा वहां पहुंचे और गोली चला दी। साहिल किसी तरह बच निकला, जबकि उसके साथी को गोली और चाकू लगा।

मामले में आदर्श नगर थाने में हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी निगरानी के साथ मानव स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की। जांच में अमन के साथ वारदात में शामिल दूसरे आरोपित की पहचान अनुज उर्फ मोनी के रूप में हुई। जांच के दौरान पता चला कि वह जहांगीरपुरी थाने में दर्ज एक अन्य हत्या के मामले में भी वांछित है।

पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने रविवार को बताया कि पुलिस को जानकारी मिली कि दोनों आरोपित दिल्ली से निकलकर हरिद्वार की तरफ भागे हैं। इसके बाद टीम ने अंतरराज्यीय स्तर पर पीछा शुरू किया। आरोपित लगातार अपना ठिकाना और रास्ता बदल रहे थे, लेकिन पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मैदानी सूचना को जोड़कर उनका पीछा जारी रखा। करीब 550 किलोमीटर की लगातार कार्रवाई के बाद दोनों को उत्तराखंड के छप्पर टोल नाका के पास किराये की पंच कार में पकड़ लिया गया।

पुलिस के मुताबिक अमन उर्फ मुल्ला लालबाग, आजादपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ छह आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह साहिब सलमानी ब्रदर गैंग से जुड़ा बताया गया है। वहीं अनुज उर्फ मोनी जहांगीरपुरी का रहने वाला है और उसके खिलाफ 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर वारदात में उनकी पूरी भूमिका और अन्य आपराधिक मामलों में संलिप्तता की जांच कर रही है।

दिल्ली सरकार ई-कैबिनेट प्रणाली करेगी लागू, मुख्यमंत्री ने की विशेषज्ञों से चर्चा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार राजधानी में आधुनिक ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करेगी। इसी दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की है। बैठक में ऐसी डिजिटल व्यवस्था पर विचार किया गया, जिसके माध्यम से दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठकों की पूरी प्रक्रिया कागज रहित (पेपरलेस), अधिक सुरक्षित, तेज और पारदर्शी बनाई जा सके। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शासन-प्रशासन में तकनीक का प्रभावी उपयोग समय की आवश्यकता है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें सरकारी प्रक्रियाएं सरल हों, निर्णय तेजी से लिए जा सकें और उनके क्रियान्वयन की लगातार निगरानी भी संभव हो। ई-कैबिनेट प्रणाली के माध्यम से कैबिनेट बैठकों से जुड़े सभी दस्तावेज जैसे कैबिनेट नोट्स, बैठक का एजेंडा, उससे जुड़े संलग्न दस्तावेज (एनेक्सर), कैबिनेट के निर्णय और बैठक की कार्यवाही (मिनट्स), सुरक्षित डिजिटल माध्यम से तैयार, साझा और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाए जा सकेंगे। इससे कागजों पर निर्भरता लगभग समाप्त होगी और पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनेगी।

उन्होंने कहा कि इस प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें प्रत्येक मंत्री और अधिकारी को उसकी जिम्मेदारी के अनुसार अलग-अलग स्तर की डिजिटल पहुंच दी जा सकती है। मंत्री, मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, विभागीय सचिव जैसे सभी अधिकृत अधिकारी केवल अपनी आवश्यकता के अनुसार संबंधित दस्तावेज देख सकेंगे।

वंदे मातरम को लेकर सोनिया-राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत, जांच और एफआईआर की मांग

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‌के गायन को लेकर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कथित आचरण पर शिकायत दी गई है। शिकायतकर्ता ने दोनों के खिलाफ मामले की निष्पक्ष जांच कराने और कानून लागू होने की स्थिति में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 15 अगस्त को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया था। समारोह में वंदे मातरम का गायन हो रहा था। आरोप है कि गायन के दौरान सोनिया गांधी वहां मौजूद थीं और गीत के शुरूआती हिस्से के बाद उन्होंने उपस्थित लोगों की ओर कुछ इशारे किए तथा बातचीत की। शिकायतकर्ता का दावा है कि सार्वजनिक रूप से सामने आए वीडियो फुटेज और मीडिया रिपोर्टों में उनके व्यवहार को वंदे मातरम्‌के पूर्ण गायन पर आपत्ति जताने के तौर पर बताया गया है। शिकायत में एक अन्य वीडियो फुटेज का भी हवाला दिया गया है।

ड्यूटी के दौरान एमसीडी सफाईकर्मी की चाकू से गोदकर हत्या

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में रविवार को ड्यूटी के दौरान एक एमसीडी सफाई कर्मचारी की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। जांच में मृतक की पहचान अनिल के रूप में हुई है।

हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वारदात के पीछे का कारण सामने आएगा।

जानकारी के अनुसार, अनिल कल्याणपुरी इलाके में अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान एक अज्ञात हमलावर ने उन पर अचानक चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों और साथियों ने उन्हें तुरंत लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अनिल के दोस्त और साथी कर्मचारी गुलशन ने बताया कि अनिल अपनी ड्यूटी कर रहे थे।

इसी दौरान अचानक उन पर हमला कर दिया गया। जब तक साथी कर्मचारी कुछ समझ पाते, हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुका था। गुलशन ने आरोपित की जल्द गिरफ्तारी और परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

वहीं घटना की सूचना मिलते ही कल्याणपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस हत्या के कारणों का भी पता लगाने में जुटी है।

इधर अनिल की हत्या की खबर फैलते ही साथी सफाई कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और अस्पताल परिसर को घेरकर धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों ने आरोपित को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही मृतक के परिवार को सुरक्षा और उचित मुआवजा देने की भी मांग उठाई।

प्रदर्शन के चलते अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति बन गई। मामला बढ़ता देख पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत करवाया। फिलहाल पुलिस आरोपित की पहचान करने में जुटी हुई है।

कल्याणपुरी में सफाईकर्मी की हत्या, आआपा विधायक कुलदीप कुमार धरने पर बैठे

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के कल्याणपुरी में रविवार सुबह चाकू मारकर की गई सफाईकर्मी की हत्या के बाद पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी (आआपा) के कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार सफाई कर्मचारियों के साथ धरने पर बैठ गए हैं।

इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मृतक परिवार को उचित मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा दोषी को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि जब तक मृतक परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, धरना जारी रहेगा।

आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने चिंता जताते हुए कहा कि राजधानी में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन इस पर भाजपा की चुप्पी हैरान करने वाली है। कल्याणपुरी में एक सफाई कर्मचारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि कल्याणपुरी इलाके में जिस तरह से एक सफाई कर्मचारी की हत्या की गई है, वह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से पता चलता है कि दिल्ली में अपराधियों के हौसले किस तरह से बुलंद हैं। कल्याणपुरी में तो रोज ऐसी वारदातें होती हैं, जहां कभी किसी को चाकू या छुरी मारी जाती है तो कभी किसी को पीटा जाता है। एक सफाई कर्मचारी जो लोगों के घरों का कूड़ा उठाता है, उसकी इस तरह हत्या कर देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।



कुलदीप कुमार ने बताया कि घटना को हुए चार-पांच घंटे बीत चुके हैं और सफाई कर्मचारियों के साथ हम लोग धरने पर बैठा हैं, लेकिन अभी तक सरकार का कोई प्रतिनिधि, जिलाधिकारी या कोई अन्य अधिकारी यहां नहीं पहुंचा है। किसी ने यह नहीं बताया कि पीड़ित परिवार को क्या मुआवजा दिया जा रहा है। दिल्ली के सभी सफाई कर्मचारी यहां बैठे हुए हैं और जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे यहीं बैठे रहेंगे।

कुलदीप कुमार ने आगे कहा कि दिल्ली में पुलिस भाजपा के कहने पर अपराधियों को बचाती है। दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार है और चारों इंजन उनके पास हैं, लेकिन वे दिल्ली के अंदर कुछ नहीं कर रही हैं। उन्होंने दिल्ली को केवल अपराध की राजधानी बना दिया है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर और एलजी कोई काम नहीं कर रहे हैं और ना ही इलाके का दौरा कर रहे हैं। इन लोगों ने दिल्ली को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है।

उधर पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि कल्याणपुरी में एमसीडी सफाई कर्मचारी अनिल की ड्यूटी के दौरान खुलेआम चाकू मारकर हत्या ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा, पांच रुपये में मिलेगा 1 लाख लोगों को पौष्टिक भोजन

नई दिल्ली, 16 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने 100 अटल कैंटीन के संकल्प को रविवार को पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन के उद्घाटन के साथ आठ माह में पूरा कर लिया। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) ने अटल कैंटीन की शुरूआत 25 दिसंबर 2025 को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर की थी। वर्तमान में इन 100 अटल कैंटीनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध किया जा सकेगा।

इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, विधायक सूर्य प्रकाश खत्री सहित दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि दिल्ली में 100 अटल कैंटीनों का शुभारंभ अत्यंत सराहनीय पहल है, जिसका उद्देश्य गरीबों, झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों, श्रमिकों और दिल्ली में रोजगार के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले लोगों को सस्ता व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य योजना नहीं, बल्कि समाज के सबसे जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशीलता और सेवा-भाव का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः की भावना को साकार करते हुए दिल्ली सरकार ने 100 अटल कैंटीन स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया और आज यह संकल्प पूरा हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि 100 अटल कैंटीन का लक्ष्य पूरा होना दिल्ली सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह पहल श्रद्धेय अटलजी की अंत्योदय की भावना और जनसेवा के आदर्शों को समर्पित एक सार्थक श्रद्धांजलि भी है। अटलजी का जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आज एक कैंटीन दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के पास भी खोल दी गई है। इस यूनिवर्सिटी एरिया में विद्यार्थी अपना घर-परिवार छोड़कर हॉस्टलों, पीजी रूम्स में रहते हैं। अब जरूरतमंद विद्यार्थी इस कैंटीन में पौष्टिक व सस्ता भोजन खा सकते हैं।

भविष्यफल

मेष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढने़ के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष- मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-3-4-6

मिथुन- स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला- शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि ब$ढेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुम्भ- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

ट्रम्प प्रशासन का तेहरान को तगड़ा झटका देने का प्लान

यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट की ईरानी संपत्ति खाड़ी देशों में बांटने की हो रही तैयारी

● वॉशिंगटन / (एजेंसी)

ट्रम्प प्रशासन एक प्रोग्राम पर विचार कर रहा हैं, जिसमें वह ईरान की जब्त संपत्ति को खाड़ी के सहयोगी देशों को दे सकता है। इस संपत्ति से ये देश ईरान के हमलों से हुए नुकसान की भरपाई कर सकेंगे। ईरान ने अमेरिका-इजराइल गठबंधन के हमलों के जवाब में खाड़ी देशों में यूएस ठिकानों पर हमले किए हैं। इससे हुए नुकसान को लेकर यूएस का ट्रेजरी डिपार्टमेंट यह प्लान बना रहा है। यूएस का यह प्लान क्षेत्र में तनाव को बढ़ा सकता है, क्योंकि ईरान ने अपनी जब्त संपत्ति को डील में एक अहम मुद्दा बताया है। सूत्रों के हवाले से की गई रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के इस प्रस्ताव के तहत ईरान की फ्रीज संपत्तियों का इस्तेमाल ना केवल भविष्य में होने वाले हमलों के बाद पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए किया जा सकेगा, बल्कि पहले हुए नुकसान की भरपाई के लिए भी किया जाएगा।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने अफसरों को खाड़ी देशों में ईरानी हमलों से जुड़े नुकसान की लागत का आकलन करने और यह जांचने का काम सौंपा है कि क्या उन खर्चों को पूरा करने के लिए ईरान की संपत्ति का इस्तेमाल किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने यह नहीं बताया कि ईरान की किन संपत्तियों पर विचार किया जा रहा है। हालांकि ऐसे संकेत दिए गए हैं कि इस प्रस्ताव में अमेरिका के प्लान में केवल फ्रीज किए गए ईरानी एसेट्स के अलावा और भी संपत्तियां शामिल हो सकती हैं।



अमेरिका-ईरान में बढ़ेगा तनाव

कुवैत और बहरीन पर ईरान के हमलों के ठीक बाद उठाए गए इस कदम से पहले से ही नाजुक राजनयिक प्रयासों में तनाव का एक नया दौर शुरू हो सकता है। ईरान ने बार-बार ये कहा है कि अगर खाड़ी देशों की जमीन का इस्तेमाल उस पर हमले के लिए होगा तो फिर वह भी इन मुल्कों पर जवाबी अटैक करेगा। ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के लिए चल रही बाचीत में तेहरान की करीब 24 अरब डॉलर की जब्त संपत्ति का मुद्दा अहम रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहसिन रेजाई ने साफतौर पर कहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान की संपत्ति को जारी नहीं किया जाता है तो समझौता नहीं होगा।

मध्यस्थता की कोशिश में पाक

वॉशिंगटन और तेहरान के बीच मुख्य मध्यस्थ पाक की ओर से मतभेद कम करने की कोशिशें जारी हैं। पाक के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तेहरान पहुंचे हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, वे पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के लिए संदेश लेकर आए हैं। ईरान और यूएस में सीजफायर के बावजूद होर्मुज में लड़ाई चल रही है। कई मोर्चों पर सैन्य टकराव जारी रहने के कारण सीजफायर को बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। खासतौर से होर्मुज के आसपास हालिया दिनों में दोनों ओर से लगातार अटैक हुए हैं।

यूएस सैनिकों को मारने या पकड़ने पर 30,000 डॉलर का देंगे इनाम

तेहरान, आरएनएन। ईरानी सेना के एक कमांडर ने अमेरिकी सैनिकों को पकड़ने या मारने वाले ईरानी लड़ाकों के लिए 30,000 डॉलर (28 लाख के करीब) के इनाम का ऐलान किया है। तस्नीम समाचार एजेंसी के मुताबिक, ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी ने रविवार, 16 अगस्त को तेहरान में एक भाषण के दौरान यह घोषणा की। एजेंसी की रिपोर्टर अमीर हातमी ने कहा कि जो भी ईरानी किसी अमेरिकी सैनिक को पकड़ता है या मारता है, उसे ईरानी लोगों की ओर से 30,000 डॉलर का इनाम दिया जाएगा।

ईरानी कमांडर ने की घोषणा

उन्होंने कहा कि हम उचित उपहार देंगे। उनके अनुसार, यह इनाम करीब 5 अरब तोमान के बराबर है। हातमी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब शांति वार्ता की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। इसके साथ ही, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों की आवाजाही भी रुकी हुई है। वहीं दूसरी और ईरान और ओमान के बीच होर्मुज के लिए समुद्री मानचित्र पर समझौता हो गया है, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी भी बातचीत चल रही है।

नानाजी के ग्रामोदय संकल्प को यथार्थ का धरातल देना प्राथमिकता : प्रो. आलोक चौबे



चित्रकूट, 16 अगस्त 2026 (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। विश्वविद्यालय के रजत जयंती भवन परिसर में कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने राष्ट्रध्वज फहराकर सलामी दी। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी तथा विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह के प्रारंभ में कुलगुरु का पारंपरिक स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि चित्रकूट प्रभु श्रीराम की तपस्थली होने के साथ राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की रचनात्मक प्रयोगस्थली भी है। नानाजी देशमुख ने ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से ग्रामोदय विश्वविद्यालय जैसे विशिष्ट उच्च शिक्षा संस्थान की स्थापना की। उन्होंने कहा कि नानाजी देशमुख के व्यक्तित्व, कृतित्व, ग्रामोदय दर्शन और नवाचारों को धरातल पर उतारना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के प्रक्षेत्र परिसर को राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख परिसर के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रो. चौबे ने कहा कि गांवों और ग्रामीण आबादी को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की नानाजी की सोच को केंद्र में रखकर विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक और विकासात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाएगा। इसी दिशा में कई नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ कौशल, नवाचार और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कुलगुरु ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति, कर्तव्य पालन और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराता है। देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों के त्याग और संघर्ष के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा, विकास और सम्मान सरकारों की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया।

प्रो. चौबे ने बताया कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय का परिसर लगभग 250 एकड़ में विस्तृत है। विश्वविद्यालय के विकास और नानाजी देशमुख की मूल संकल्पना को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त भूमि आवंटन के प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व में आवंटित भूमि का पूरा हिस्सा विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के लिए सीमांकन की कार्यवाही भी जारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कार्य जल्द पूरा होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विश्वविद्यालय अपने उपलब्ध संसाधनों को व्यवस्थित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसी प्रकार प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के विकास, सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक, सांस्कृतिक और कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित करता रहा है। उन्होंने बताया कि 22 और 23 अगस्त को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से इसमें सक्रिय सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि आईपीआर का ज्ञान अकादमिक क्षेत्र के साथ रोजगार और करियर निर्माण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। समारोह में विद्यार्थियों ने एकल और सामूहिक देशभक्ति गीत, भाषण तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को उत्साह और राष्ट्रभाव से भर दिया। उपस्थितजनों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी की विश्वविद्यालय शाखा की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रभक्ति, नानाजी देशमुख के ग्रामोदय दर्शन, विद्यार्थी विकास और पर्यावरण संरक्षण के संकल्पों को एक साथ जोड़ते हुए विश्वविद्यालय की मूल भावना को अभिव्यक्त किया गया।

नेपाल के दौरे पर पहुंचे सेना प्रमुख धीरज सेठ

मिलने जा रहा है खास सम्मान, सैन्य संबंधों को मजबूती देने पर होगा जोर

● नई दिल्ली / आरएनएन



भारतीय थल सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल धीरज सेठ नेपाल की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हो गए हैं। यह दौरा 17 अगस्त से 19 अगस्त 2026 तक रहेगा। इस यात्रा का मकसद भारत और नेपाल के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत करना है। दोनों देशों के बीच हमेशा से ही मजबूत सैन्य और कूटनीतिक रिश्ते रहे हैं। यात्रा के पहले दिन यानी 17 अगस्त को जनरल धीरज सेठ का नेपाल में स्वागत होगा।

वे सबसे पहले टुंडीखेल स्थित आर्मी पवेलियन में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद उन्हें नेपाली सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इस दौरान वे नेपाली सेना के प्रमुख से मुलाकात करेंगे। नेपाल-भारत दोनों सेना प्रमुख आपसी हितों और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न ामुद्दों पर चर्चा करेंगे। नेपाली सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) उन्हें सामरिक मुद्दों पर एक विशेष ब्रीफिंग भी देंगे।

इस यात्रा का एक सबसे खास आकर्षण राष्ट्रपति भवन में होने वाला विशेष समारोह। दरअसल, भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच एक अनूठी और पुरानी परंपरा चली आ रही है। इसी परंपरा के तहत नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल जनरल धीरज सेठ को ''नेपाली सेना के जनरल'' की मानद रैंक से सम्मानित करेंगे। यह सम्मान दोनों देशों की सेनाओं के बीच के गहरे आपसी भरोसे और भाईचारे का प्रतीक है। यात्रा के दूसरे दिन यानी 18 अगस्त को थल सेना प्रमुख का व्यस्त कार्यक्रम रहेगा।

भारत-नेपाल संबंधों की अनूठी साझेदारी

मालूम हो, भारत और नेपाल के संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच इतिहास, समाज और संस्कृति के स्तर पर गहरी और अनूठी साझेदारी है। ''रोटी-बेटी का रिश्ता'' हो या जनकपुर-अयोध्या और लुंबिनी-बोधगया का आध्यात्मिक जुड़ाव, ये सभी तत्व दोनों देशों को स्वाभाविक साझीदार बनाते हैं। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने में दोनों देशों की साझी रुचि है. थल सेना प्रमुख की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच के पुराने सैन्य और सांस्कृतिक संबंधों के और अधिक गहरा बनने की उम्मीद जताई जा रही है।

नौसेना के नाविक, उनकी पत्नी व 2 बच्चों के शव मिले

मुंबई, आरएनएन। दक्षिण मुंबई के कोलाबा इलाके में नेवी नगर स्थित आवास पर भारतीय नौसेना के एक नाविक, उनकी पत्नी और उनके दो बच्चे मृत पाए गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि 15 अगस्त को नाविक और उनका परिवार अपने घर पर मृत पाए गए। नौसेना ने कहा कि मुंबई पुलिस और भारतीय नौसेना मिलकर इस घटना की जांच कर रहे हैं और जांच में हर संभव मदद दी जा रही है। मृतकों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है। पुलिस ने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मौतों के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चला है और विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

इटली : सिसिली के संग्रहालय से 4 पेंटिंग हुई चोरी

मिलान, आरएनएन। इटली के सिसिली में मेसिना शहर के क्षेत्रीय संग्रहालय से पुनर्जागरण काल के चित्रकार एंटोनेलो दा मेसिना की चार पेंटिंग चोरी हो गईं। इन पेंटिंग्स की कीमत करोड़ों यूरो बताई जा रही है। संस्कृति विभाग के अधिकारियों और इटली की मीडिया ने रविवार को यह खबर दी। उन्होंने बताया कि यह चोरी तब हुई जब शहर में पारंपरिक अज़म्प्शन छुट्टी का जश्न मनाने के लिए लोग इकट्ठा हुए थे।

पीएम रहमान के दौरे से पूर्व बांग्लादेश की शर्त, शेख हसीना को वापस भेजें

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बोले, हमें भारत के जवाब का इंतजार

● नई दिल्ली / आरएनएन





बांग्लादेश ने पीएम तारिक रहमान के प्रस्तावित भारत दौरे को पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग से जोड़ दिया है। बांग्लादेश ने रविवार को भारत से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अपने अनुरोध पर शीघ्र कार्रवाई करने और पीएम तारिक रहमान की भारत यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनाने में मदद करने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम ने मंत्रालय में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि हमने इस मामले में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

हमारा मानना है कि इस यात्रा के लिए उपयुक्त माहौल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में हमने भारतीय अधिकारियों से शेख हसीना और अन्य फरार आरोपियों के प्रत्यर्पण के हमारे अनुरोध पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है। प्रवक्ता ने कहा कि तारिक रहमान की भारत की द्विपक्षीय यात्रा की संभावना को लेकर बांग्लादेश और भारत के अधिकारी पिछले कई सप्ताह से एक-दूसरे के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि नईदिल्ली में पांच अगस्त को हसीना द्वारा खुले तौर पर मीडिया से बातचीत किए जाने के बाद यह प्रक्रिया प्रभावित हुई। बांग्लादेश के अनुसार, शेख हसीना को देश के तथाकथित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में दोषी ठहराया है।

बांग्लादेश ने हसीना के प्रत्यर्पण के अलावा इकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को भी भारत से सौंपने का अनुरोध किया है।

बांग्लादेश ने यह मांग दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत की है। प्रवक्ता ने कहा कि हम उनके जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पीएम तारिक रहमान के 20 से 25 अगस्त के बीच भारत आने की संभावना है। बांग्लादेश अपने बांग्लादेश फर्स्ट नीति पर कायम रहेगा और संप्रभु समानता, राष्ट्रीय गरिमा, एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने तथा पारस्परिक लाभ के आधार पर भारत तथा अन्य देशों और पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देता रहेगा। तारिक रहमान की संभावित भारत यात्रा को लेकर अटकलों ने 10 अगस्त को ढाका में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी और प्रधानमंत्री रहमान की मुलाकात तथा अगले दिन त्रिवेदी की नयी दिल्ली यात्रा के बाद जोर पकड़ा है।

रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला, 6 की मौत

24 घंटों में रूस ने 1478 ड्रोन मार गिराए

● मॉस्को / आरएनएन



यूक्रेन ने रविवार को रूस पर युद्ध शुरू होने के बाद अब तक का सबसे बड़े ड्रोन हमला किया है। इसमें कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। इन ड्रोन हमलों में मॉस्को के पास रूसी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरिज के डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर में आग लग गई।

यह गोदाम करीब 2 लाख वर्ग मीटर में फैला है। सामने आई तस्वीरों में इमारत का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में दिखाई दिया। आसमान में दूर तक काला धुआं उठता नजर आया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने पिछले 24 घंटे में 9 यूक्रेनी क्रूज मिसाइल और कुल 1,478 ड्रोन मार गिराए हैं।

कैम्ब्रिज के सबसे कम उम्र के अश्वेत प्रोफेसर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

● लंदन / (एजेंसी)

कैम्ब्रिज विवि के पूर्व प्रो. जेसन अर्डे लंदन स्थित घर में बेसुध हालत में मृत पाए गए। अर्डे (41) को हाल के दिनों में तीखी जन-आलोचना को बढ़ावा देने के लिए भर्ती किए जाने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस ने उनकी मौत को अप्रत्याशित माना है। अर्डे 2023 में कैम्ब्रिज विवि के सबसे युवा अश्वेत प्रोफेसर बने थे। हालांकि, कैम्ब्रिज द्वारा उनकी नियुक्ति की जांच की घोषणा के बाद उन्होंने 5 अगस्त को सोशियोलॉजी ऑफ एजुकेशन के प्रोफेसर पद से इस्तीफा दे दिया था। जेसन अर्डे पर लिवरपूल जॉन मूर्स यूनिवर्सिटी में अपनी पीएचडी थीसिस में साहित्यिक चोरी (प्लेगरिज्म) का आरोप लगा था। लेकिन वह साबित नहीं हुआ था।

27 वर्षीय एक्ट्रेस अनन्या राज की नींद में गई जान

● मुंबई / आरएनएन



शारीरिक,मानसिक तकलीफों से जूझ रही थीं अनन्या

'7 आवर्स टू गो', 'द फाइनल एग्जिट' और 'घोस्ट' जैसी फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस अनन्या राज का निधन हो गया है, जिससे पूरी इंडस्ट्री को झटका लगा है। अनन्या राज का 15 जुलाई को निधन हुआ, जिसकी जानकारी अब उनके परिवार ने दी है। साथ ही बताया है कि एक्ट्रेस को क्या हुआ था। अनन्या राज ने 27 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। नीद में ही वह चल बसीं। अनन्या के फैंस भी सदमे में हैं। अनन्या राज के परिवार ने बताया कि वह एक साल से ज्यादा समय से शारीरिक और मानसिक तकलीफों से जूझ रही थीं और फिर 15 जुलाई को नींद में ही मौत हो गई।

आज का इतिहास

- **1717** : फ्रांस, रूस और प्रशिया के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
- **1743** : स्वीडन और रूस के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
- **1787** : यहूदियों को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में समूह बनाकर प्रार्थना करने की इजाजत मिली।
- **1836** : ब्रिटेन की संसद में जन्म, विवाह और मृत्यु से संबंधित पंजीकरण स्वीकार किये गये।
- **1858** : हवाई द्वीप में पहला बैंक खोला गया।
- **1909** : मदन लाल ढींगरा को वायली और लालकाका हत्या मामले में फाँसी दी गयी।

आत्मनिर्भर भारत अत्याधुनिक जेट-संचालित प्रेसिजन स्ट्राइक सिस्टम तैयार करने वाले देशों में भारत भी

स्वदेशी दिव्यास्त्र एमके 3 का हुआ सफल टेस्ट

● कुरनूल / (एजेंसी)



भारत की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कैपिसिटी और आत्मनिर्भर भारत अभियान को एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता मिली है। कवा यूएवी प्राइवेट लिमिटेड (होवरल्ट) ने रविवार को पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित और अगली पीढ़ी के जेट-संचालित लोइटरिंग म्यूनिशन दिव्यास्त्र एमके3 का सफल टेस्ट किया।

11 अगस्त 2026 को अपनी पहली सफल उड़ान भरने वाले इस ड्रोन हथियार ने भारत को उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल कर दिया है जो अपने दम पर अत्याधुनिक जेट-संचालित प्रेसिजन स्ट्राइक सिस्टम तैयार कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भी आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित टेस्ट रेंज में यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल के फाइनल डिलीवरेबल कॉन्फ़िगरेशन डेवलपमेंट ट्रायल्स को सफलतापूर्वक पूरा कर देश की सैन्य ताकत में इजाफा किया है।

भारत का पहला स्वदेशी जेट-संचालित लोइटरिंग म्यूनिशन: कवा यूएवी (होवरल्ट) द्वारा तैयार किया गया दिव्यास्त्र एमके3 भारत का पहला ऐसा स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन है जो जेट इंजन से संचालित होता है। इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर पहली सफल उड़ान तक का पूरा सफर महज एक कैलेंडर वर्ष में तय किया गया है। इसमें किसी भी प्रकार का विदेशी जेट इंजन या आयातित क्रिटिकल सबसिस्टम इस्तेमाल नहीं किया गया है।

इसे शक्ति प्रदान करने वाला जेट इंजन भी स्वदेशी रूप से डीजी प्रोपल्शन द्वारा विकसित किया गया है। कंपनी ने इसे तेज, अधिक समझदार और समझौता न करने वाला हथियार करार देते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत का वास्तविक प्रदर्शन बताया है।

100 फीसदी स्वदेशी तकनीक से मिली ताकत: कंपनी के सह-संस्थापकों ने इस उड़ान के ऐतिहासिक महत्व को बताते हुए कहा कि यह केवल एक टेस्ट फ्लाइट नहीं है बल्कि भारत के इरादों की घोषणा है।

यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल के हुए कई सफल ट्रायल्स

इसी कड़ी में डीआरडीओ ने अनमैन्ड एरियल व्हीकल लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल यानी यूएलपीजीएम-वी3 के अंतिम टेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम दिया. आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास एक टेस्ट रेंज में आयोजित इन परीक्षणों में मिसाइल का मूल्यांकन हवा से सतह) और एयर-टू-एयर दोनों मोड में किया गया. इस मिसाइल सिस्टम को नियंत्रित और कमांड करने के लिए आधुनिक इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) का उपयोग किया गया जो लॉन्च ऑपरेशन्स और हथियारों की तैयारी को ऑटोमेट करने की अत्याधुनिक तकनीक से लैस है ।यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल सिस्टम के विकास और उत्पादन के लिए डीआरडीओ ने दो प्रमुख निर्माण एजेंसियों बीडीएल, हैदराबाद और अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, हैदराबाद के साथ साझेदारी की है।

स्वतंत्रता दिवस पर पतंजलि योगपीठ में हुआ ध्वजारोहण

बाबा रामदेव बोले, देश 145 करोड़ भारतवासियों का

हरिद्वार, (हि.स.) देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष व पतंजलि विवि के कुलाधिपति स्वामी रामदेव जी महाराज तथा पतंजलि योगपीठ के महामंत्री एवं पतंजलि विवि के कुलपति आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 स्थित योगभवन में ध्वजारोहण कर सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगीत वंदे मातरम् से सम्पूर्ण वातावरण राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में स्वामी



रामदेव जी ने कहा कि लाखों वीर-वीरांगनाओं ने शहादत देकर भारत माता को आजादी दिलवाई, अब हमारा कर्तव्य है कि हम इस देश को सम्पूर्ण विश्व की श्रेष्ठतम आर्थिक, आध्यात्मिक, राजनैतिक महाशक्ति के रूप में खड़ा करने के लिए भूमिका निभाएँ। देश केवल कुछ राजनैतिक पार्टियों का नहीं अपितु 145 करोड़ भारतवासियों का है।

संपादकीय

नारी उद्यमिता को संबल

हरियाणा सरकार की नई पहल स्वागत योग्य है, जिसके तहत राज्य में महिला स्टार्टअप्स के लिए सात साल तक राज्य जीएसटी राशि फ्री कर दी जाएगी। महत्वपूर्ण यह भी है कि नीति में बदलाव करते हुए सरकार ने कहा है कि महिला उद्यमियों द्वारा 25 लाख रुपये का निवेश करने पर सरकार भी इतना ही योगदान देगी। निश्चित रूप से महिलाएं देश के उद्यमिता क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उनकी एकाग्रता, समर्पण और साफ-सुथरी व्यवस्था की कॉरपोरेट जगत में प्रशंसा की जाती है। निःसंदेह, हरियाणा सरकार की यह पहल नारी सशक्तीकरण की दिशा में एक रचनात्मक कदम है। सही मायनों में सरकार का यह संबल महिला उद्यमियों के लिए उद्योग जगत में नया आकर्षण लेकर आएगा। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में हरियाणा स्टेट स्टार्टअप पॉलिसी 2022 के सप्लीमेंट को मंजूरी दी गई। वहीं दूसरी ओर, सामान्य स्टार्टअप्स को सात साल तक नेट एसजीएसटी की 50 फीसदी प्रतिपूर्ति मिलती रहेगी। इसके अलावा, महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को एक साल तक लीज रेंट का 50 फीसदी, अधिकतम 10 लाख रुपये तक वापस मिलेगा। इस दिशा में सरकार ने एक रचनात्मक पहल यह की है कि पर्यावरण के अनुरूप ग्राम्य उत्पादों, हस्तशिल्प, आयुर्वेद उत्पादों तथा देशी खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। इस क्रम में ऐसे स्टार्टअप्स जो हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र, पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों, आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य एवं वेलनेस उत्पादों और देशी खाद्य उत्पादन से जुड़े हैं, उन्हें 50,000 से 1 लाख रुपये तक की माइक्रो-ग्रांट भी दी जाएगी। दरसअल, राज्य सरकार ने अनेक प्रोत्साहन कदमों से राज्य में उद्यमिता के अनुकूल माहौल बनाने का भी प्रयास किया है। सरकार ने घोषणा की है कि यदि किसी निजी या एंजल निवेशक से किसी स्टार्टअप को 25 लाख रुपये मिलते हैं, तो सरकार भी 25 लाख रुपये तक की मैचिंग ग्रांट दे सकेगी। निश्चय ही सरकार की यह पहल राज्य में उद्यमिता का विकास करेगी। वहीं दूसरी ओर, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि नई तकनीक का लाइसेंस लेने या टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी।

लंदन डायरी

आधुनिक सर्कस का जनक लंदन

(विवेक रंजन श्रीवास्तव)

क्राक्सली से मिल्टन कीन्स की ओर जाते हुए रास्ते में एक खुले मैदान में अचानक एक विशाल तंबू दिखाई दिया। सड़क आगे बढ़ रही थी, लेकिन आँखें उस तंबू पर अटक गईं। दूर से वह कपड़े का एक बड़ा-सा ढाँचा था, पर उसके भीतर कितनी रोचक दुनिया बस सकती थी, हँसी, डर, संगीत, करतब, रोशनी और कुछ देर के लिए रोजमर्रा की जिंदगी से बाहर निकल आने की बाल-सुलभ खुशी।

सर्कस का तंबू देखते ही बचपन की भूली हुई शाम लौट आती है। भारत में मेले के मैदान में दूर से दिखता तंबू, बाहर लगे जिम्नास्ट लड़कियों के पोस्टर, भीतर जाने की बेचैनी और रोशनी बुझते ही सामने आता कोई नया करतब, सर्कस केवल मनोरंजन नहीं था, वह सामूहिक मनोरंजक रोमांचक स्मृति का हिस्सा था। शायद इसी कारण ब्रिटेन की सड़क पर दिखा वह तंबू मुझे सीधे भारत ले गया। और तब लगा, सर्कस का यह तंबू कितना अद्भुत है। उसका गोल घेरा जितना छोटा दिखता है, उसकी कहानी उतनी ही बड़ी है। सच कहें तो ब्रिटेन से निकला सर्कस का तंबू वाला गोला इतना बड़ा हुआ कि उसने धीरे-धीरे सारी दुनिया को ही घेर लिया। सर्कस की कलाएँ दुनिया में बहुत पुरानी हैं। कलाबाजी, बाजीगरी और घुड़सवारी जैसी विधाएँ ब्रिटेन से बहुत पहले अलग-अलग सभ्यताओं में मौजूद थीं। लेकिन जिस संगठित रूप को हम आज आधुनिक सर्कस कहते हैं, उसकी कहानी लंदन से ही शुरू होती है। 1768 में टेम्स के दक्षिणी किनारे लैम्बेथ में फिलिप एस्टली ने घुड़सवारी के करतबों के लिए गोल घेरा बनाया। वे पूर्व सैनिक थे और उनकी पत्नी पैटी भी कुशल घुड़सवार थीं। तब उनके करतब को किसी ने इसे सर्कस नहीं कहा था। घोड़े को तेज गति से गोल घुमाते हुए करतब दिखाना सीधी रेखा में दौड़ने से कहीं अधिक प्रभावशाली था। बाद में इसी घेरे का व्यास लगभग 42 फुट, यानी करीब 13 मीटर, सर्कस की पहचान बन गया। लेकिन एस्टली की असली प्रतिभा केवल घोड़े पर संतुलन बनाने में नहीं थी, उन्हें समझ में आ गया कि दर्शक केवल घोड़ा नहीं देखना चाहते। उन्हें आश्चर्य, हँसी, खतरा, कहानी और रोजमर्रा की जिंदगी से कुछ देर बाहर निकल आने का आनंद भी चाहिए। घुड़सवारों के साथ कलाबाज, रस्सी पर चलने वाले कलाकार, बाजीगर और जोकर भी जुड़ते गए। अलग-अलग कलाओं को एक ही घेरे में पिरोकर एस्टली ने आधुनिक सर्कस की नींव रख दी। एक दिलचस्प बात यह भी है कि एस्टली ने अपने तमाशे को कभी सर्कस नहीं कहा था। यह नाम बाद में चार्ल्स डिब्डिन के रॉयल सर्कस से लोकप्रिय हुआ। इस तरह आधुनिक सर्कस की जन्मकथा में कला के साथ ब्रिटिश रंगमंच और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा भी शामिल है। लंदन का यह सर्कस जल्दी ही बड़ा मनोरंजन बन गया। घुड़सवारी के साथ नाटक, संगीत, हास्य और भव्य दृश्य जुड़ते गए। मोमबत्तियों की रोशनी में सामने से दौड़ता घोड़ा, ऊपर रस्सी पर संतुलन बनाता कलाकार और बीच में जोकर की हास्यास्पद हरकतें, उस समय के दर्शकों के लिए किसी जीवित चलचित्र से कम नहीं रही होंगी, आज भी हर शो में वही मजा रिप्लीकेट होता है। उन्नीसवीं सदी में ब्रिटेन में सर्कस तेजी से फैला। शहरों और कस्बों में घूमने वाले सर्कस कुछ समय के लिए अपना संसार खड़ा करते, पोस्टर लगते, संगीत बजता और लोग पूछते, आज रात क्या देखने को मिलेगा। सर्कस की यही घुमंतू प्रकृति उसकी आत्मा बन गई। ब्रिटेन में यह परंपरा आज भी जीवित है। ज़िप्पोज सर्कस और गिफर्ड्स सर्कस इसके प्रमुख नाम हैं। इतिहास में बर्ट्रम मिल्स सर्कस भी बहुत बड़ा नाम रहा, जिसने 1920 से 1966 तक ब्रिटिश सर्कस की स्मृति में खास जगह बनाई। दर्शक कलाकार को हवा में उड़ते देखते हैं, कलाकार को पता होता है कि उस उड़ान के पीछे प्रैक्टिस में कितनी बार गिरना पड़ा है। इसलिए सर्कस केवल तमाशा नहीं, शरीर, साहस, अनुशासन और भरोसे की कला भी है। समय बदला। सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन और फिर मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन ने मनोरंजन की दुनिया बदल दी। सवाल उठा, जब दुनिया घर बैठे दिखाई दे सकती है, तब कोई सर्कस के तंबू तक क्यों आए? भारत में भी यही जादू था। आधुनिक भारतीय सर्कस की कहानी 1880 में विष्णुपंत छत्रे के ग्रेट इंडियन सर्कस से आगे बढ़ी। बाद में ग्रेट बॉम्बे सर्कस, ग्रेट रेयमन और जेमिनी जैसे नामों ने गाँवों और शहरों तक मनोरंजन का यह घुमंतु संसार पहुँचाया। राज कपूर का जोकर याद आते ही मुकेश की आवाज कानों में उतरती है, जीना यहाँ, मरना यहाँ...। शैलेन्द्र का गीत सर्कस के कलाकार की जिंदगी से निकलकर जीवन का रूपक बन गया। मेरा नाम जोकर ने भारतीय मन में यह सवाल भी उतार दिया कि दूसरों को हँसाने वाला कलाकार अपने आँसू कहाँ रखता होगा। मंच पर जोकर मुस्कुराता है, दर्शक हँसते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे कलाकार का अपना सुख-दुख भी होता है। सर्कस की यही विडंबना मेरा नाम जोकर ने भारतीय मन में बहुत गहरे उतार दी, दूसरों को हँसाने वाला आदमी अपने आँसू कहाँ रखता होगा? शायद इसी सवाल के कारण भारत में सर्कस केवल बच्चों का खेल नहीं रहा, वह कलाकार के जीवन, त्याग और अकेलेपन की कहानी भी बन गया। आज का ब्रिटिश सर्कस पुराने अर्थों में केवल जानवरों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं है। पशु-कल्याण की बदलती समझ ने इसकी दिशा बदली है। इंग्लैंड में 20 जनवरी 2020 से घूमने वाले सर्कसों में जंगली जानवरों के प्रदर्शन पर कानूनन प्रतिबंध है। यह केवल कानून का परिवर्तन नहीं, समाज की बदलती संवेदना का भी संकेत है। सर्कस ने अपनी पुरानी चमक को पकड़े रहने के बजाय समय के साथ अपना अर्थ बदलना सीखा है। आज के समकालीन सर्कस में मनुष्य स्वयं सबसे बड़ा आश्चर्य है। शरीर की क्षमता, हवा में उड़ते कलाकार, कार या मोटरसाइकिल स्टंट , संतुलन, नृत्य, संगीत, प्रकाश और कहानी मिलकर ऐसी प्रस्तुति बनाते हैं जिसमें रोमांच के लिए जंगली जानवरों की जरूरत नहीं पड़ती। लंदन में घूमते हुए यह सोचकर आश्चर्य होता है कि आधुनिक सर्कस की कहानी इसी शहर के दक्षिणी हिस्से से शुरू हुई थी। आज एस्टली का वह एम्फीथिएटर नहीं है, लेकिन उसकी कल्पना जीवित है। दुनिया के किसी भी हिस्से में सर्कस का गोल घेरा देखिए, उसके पीछे कहीं न कहीं लैम्बेथ का वह पुराना मैदान छिपा दिखाई देगा। भारत में उसी घेरे को याद करते हुए जेमिनी सर्कस का तंबू, राज कपूर का जोकर और बचपन की वह उत्सुकता याद आती है, जब शहर में सर्कस आना किसी त्योहार से कम नहीं लगता था। और मुझे लगता है, सर्कस का असली जादू यही है। हम जानते हैं कि कलाकार गिरने वाला नहीं है, फिर भी उसके हवा में उठते ही साँस रुक जाती है। जोकर का गिरना अभिनय है, फिर भी हम हँसते हैं। रस्सी पर चलने वाले कलाकार के साथ हमारा दिल भी धड़कता है। सर्कस हमें कुछ देर के लिए वह चीज लौटा देता है, जिसे आधुनिक जीवन ने धीरे-धीरे हमसे दूर कर दिया है, आश्चर्य, उत्फुल्लता और खुशी।

क्राक्सली से मिल्टन कीन्स की उस यात्रा में सड़क किनारे दिखा तंबू इसलिए देर तक आँखों में बना रहा। गाड़ी आगे निकल गई, लेकिन वह गोल तंबू मन में ठहर गया। लगा, सर्कस का यही तो कमाल है, वह कुछ घंटों के लिए आता है, अपनी दुनिया खड़ी करता है, हमें उसमें बुलाता है और फिर तंबू समेटकर आगे बढ़ जाता है। पीछे रह जाती है केवल याद।

मक्खन और मट्ठे से खेली जाती है अनोखी होली

डॉ बृजेश सती

आमतौर पर होली का जिक्र होते ही रंग-गुलाल और अबीर की तस्वीर सामने आती है। लेकिन उत्तरकाशी के दयारा बुग्याल में एक अनोखी होली खेली जाती है। ये होली दूध से बने उत्पादों, मक्खन और मट्ठे से खेली जाती है। उच्च हिमालय क्षेत्र में लोक उत्सव की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है।

उत्तरकाशी जनपद के दयारा बुग्याल में अढूंडी पर्व का आयोजन किया जाता है। भाद्रपद संक्रांति के अवसर पर (अगस्त के दूसरे पखवाड़े में) मनाया जाने वाला यह पर्व स्थानीय लोक संस्कृति, प्राचीन परंपरा और प्रकृति के बीच सामंजस्य का उदाहरण है। स्थानीय ग्रामीणों के अलावा बड़ी संख्या में पर्यटक भी उत्सव में शामिल होकर इस अनोखी परंपरा और लोकोत्सव का साक्षी बनते हैं।

दयारा बुग्याल समुद्र की गहराई से लगभग लगभग साढ़े ग्यारह हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित है। रैथल गाँव के पास दयारा बुग्याल में यह पर्व हर साल भाद्रपद संक्रांति को मनाया जाता है। इस पर्व का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इस अवसर पर स्थानीय लोग अपने मवेशियों की रक्षा और प्रकृति की कृपा की कामना भगवान से करते हैं।

यह लोक पर्व केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं, बल्कि स्थानीय धार्मिक आस्था और पारंपरिक जीवन शैली से भी रूबरू कराता है। ग्रामीण इस आयोजन से सदियों पुरानी लोक परंपराओं को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। मक्खन और मट्ठे से एक-दूसरे को सराबोर करने के दौरान पूरा दयारा बुग्याल उत्सव के रंग में रंग जाता है।

विशेष बात यह है कि यह आयोजन प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। बुग्याल के संरक्षण के साथ एक पारिस्थितिकी को ध्यान में रख, प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करना भी इसका उद्देश्य है। यही कारण है कि दयारा की यह अनोखी होली पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है।

दयारा बुग्याल समुद्र की गहराई से लगभग लगभग साढ़े ग्यारह हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित है। दयारा की हरी-भरी ढलानों और खुले मैदान के बीच मनाए जाने वाले इस पर्व की विशेषता यहां खेली जाने वाली अनूठी होली है। इसमें रंगों से नहीं, बल्कि लोग एक-दूसरे पर मक्खन और मट्ठा लगाकर उत्सव मनाते हैं। यह परंपरा अढूंडी पर्व को अन्य लोक पर्वों से अलग पहचान दिलाती है। इस अवसर पर ग्रामीण मवेशियों की रक्षा, प्रकृति और देवी-देवताओं से पूरे क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना भी करते हैं।

मक्खन और मट्ठे से होली खेलने की इस विशिष्ट परंपरा के कारण अढूंडी पर्व अब बटर फेस्टिवल या मक्खन उत्सव के नाम से प्रसिद्ध है। इस दौरान लोकगीत, पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर लोक नृत्य रासो और तांदी, दयारा बुग्याल के नैसर्गिक सौंदर्य के बीच यहां के वातावरण को जीवंत बना देते हैं।

स्थानीय निवासी हरीश राज नौटियाल बताते हैं कि अढूंडी लोक उत्सव प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। ग्रामीण पशुओं के साथ उच्च हिमालय क्षेत्र के बुग्यालों में जाते थे। वहां छानियों में रहते थे।

श्रावण माह की समाप्ति पर घर वापसी के समय उनके पास जो दूध, दही, मक्खन और मठ्ठा एकत्र होता, वो उससे आपस में होली जैसा उत्सव मनाते। आज भी यह परम्परा कायम है। वो बताते हैं कि यह लोक उत्सव दयारा बुग्याल और रैथल गांव की सीमा से बाहर पहुंच गया है। प्रतिवर्ष यह पर्व उत्साह के साथ मनाया जाता है। बटर फेस्टिवल की तर्ज पर अब गंगा घाटी में एप्पल फेस्टिवल भी मनाया जाता है।

अढूंडी पर्व केवल मनोरंजन और उत्सव का अवसर नहीं है। बल्कि उत्तराखंड राज्य के सीमांत जनपद उत्तरकाशी की समृद्ध लोक संस्कृति, सामुदायिक एकजुटता और प्रकृति के प्रति स्थानीय लोगों के गहरे जुड़ाव को दशार्ता है।

हर साल बड़ी संख्या में लोगों का यहां पहुंचना इस पारंपरिक पर्व की बढ़ती लोकप्रियता को दशार्ता है। यह पर्व केवल ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है।

हरियाली तीजः नारी के संकल्प, सौंदर्य और सनातन आस्था का हरित पर्व

श्वेता गोयल

हिंदू धर्म में तीज पर्व का बहुत महत्व है, जो सालभर में तीन बार आता है। सबसे पहले आती है सावन के महीने में हरियाली तीज, उसके कुछ ही दिन बाद कजरी तीज और फिर हरतालिका तीज। तीनों ही तीज भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हैं और पूरे देश में बहुत धूमधाम से मनाई जाती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन शुक्ल तृतीया तिथि 14 अगस्त को शाम 6 बजकर 46 मिनट पर आरंभ होगी और 15 अगस्त को शाम 5 बजकर 28 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए उदया तिथि के अनुसार हरियाली तीज 15 अगस्त को मनाई जाएगी। हर साल श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला हिंदू महिलाओं का महत्वपूर्ण त्यौहार है हरियाली तीज, जिसका वर्णन सनातन शास्त्रों में भी मिलता है।

यह शिव-पार्वती की पूजा के साथ महिलाओं के सजने-संवरने और खुशियां मनाने का पावन त्यौहार है। हिंदू धर्म में हरियाली तीज को महत्वपूर्ण व्रतों में से एक माना जाता है।

सनातन धर्म में हरियाली तीज का व्रत अपार भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है, जो भगवान शिव और देवी पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक है। मान्यता है कि तीज के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथा के अनुसार इसी दिन माता पार्वती को 107 जन्मों तक तपस्या करने के बाद भगवान शिव ने अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड इत्यादि कई राज्यों में सुहागिन हिंदू महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखकर अपने पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना कर हरियाली तीज मनाती हैं।

तीज पर्व उस दिन की याद में मनाया जाता है, जब भगवान शिव ने देवी पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था, जिसके कारण पार्वती को तीज माता के रूप में पूजा जाने लगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती को समर्पित हरियाली तीज व्रत करने से विवाहित महिलाओं का जीवन खुशियों से भर जाता है, उनके पति को लंबी आयु का आशीर्वाद प्राप्त होता है जबकि अविवाहित लड़कियों की शीघ्र शादी के योग बनते हैं। यही कारण है कि विवाहित महिलाओं के साथ अविवाहित लड़कियां भी यह व्रत करती हैं। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करने का विधान है। विवाहित महिलाएं अपने पति की सलामती और लंबी उम्र की प्रार्थना करने के लिए यह व्रत रखती हैं।

श्रावण महीने में आने वाली इस तीज को हरियाली तीज इसीलिए कहा जाता है क्योंकि यह पर्व मानसून के ऐसे मौसम में मनाया जाता है, जब वातावरण सबसे हरा-भरा होता है। यह पर्व सावन के महीने में ऐसे समय मनाया जाता है, जब संपूर्ण धरा पर हरियाली की मनोहारी चादर बिछी रहती है। सावन की हरी-भरी ऋतु में आने के कारण ही यह पर्व हरियाली तीज कहलाता है।

हरियाली तीज के दिन वृक्ष, नदियों और जल के देवता वरुण देव की भी उपासना की जाती है।

इसे सिंधारा तीज भी कहा जाता है। सिंधारा उपहार देने की ऐसी प्रथा है, जो नवविवाहितों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। हरियाली तीज को सावन तीज, छोटी तीज, मधुश्रवा तीज इत्यादि नामों से भी जाना जाता है। पंजाब में इसे तीयां और राजस्थान में शिंगारा तीज के नाम से जाना जाता है। राजस्थान में माता पार्वती या तीज माता की शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, वहीं हरियाणा में हरियाली तीज पर सरकारी अवकाश रहता है। इस दिन श्रृंगार करने का काफी महत्व माना जाता है। दरअसल इस त्यौहार पर सुहागिन महिलाओं का अपने हाथों पर मेहंदी लगाना, हरे या लाल रंग के कपड़े पहनना, श्रृंगार करना और हरे रंग की चूड़ियां पहनना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रृंगार करने से मां पार्वती प्रसन्न होती हैं और अपना आशीर्वाद प्रदान करती हैं इसलिए माता पार्वती की कृपा पाने के लिए सुहागिन महिलाएं श्रृंगार करती हैं और अपने अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। सावन माह में हरे रंग का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह रंग प्रकृति का रंग होता है।

हरे रंग का गहरा संबंध वर्षा ऋतु और हरियाली से होता है, जो मन को भी शांति देता है। हिंदू धर्म में हरा रंग अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। हरा रंग प्रकृति, वृद्धि और नवीनता का प्रतीक है, जो इन गुणों को विवाह में भी दशार्ता है। माना जाता है कि धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी भी हरे रंग को पसंद करती हैं। यही कारण है कि हरियाली तीज में इस रंग को पहनना शुभ माना गया है। इसीलिए हरियाली तीज के मौके पर सुहागिन महिलाएं हरी साड़ी, हरी कांच की चूड़ियां इत्यादि खासतौर से पहनती हैं। हरियाली तीज में बरगद (वट) वृक्ष की परंपरा बहुत महत्वपूर्ण है, घरों में तथा वट वृक्ष की शाखाओं पर झूले डाले जाते हैं, जिन पर महिलाएं एकत्रित होकर दिनभर झूला झूलती हैं, नृत्य करती हैं और लोकगीत गाते हुए खुशियां मनाती हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं में वट वृक्ष को बहुत पवित्र माना गया है, जो ज्ञान का प्रतीक है और हरियाली तीज पर इसकी पूजा शुभ माना जाता है। हरियाली तीज के दौरान महिलाएं कठोर निर्जला व्रत रखती हैं, जिसमें वे पूरे दिन भोजन और जल से परहेज करती हैं। शाम को चंद्रमा की पूजा के साथ व्रत का समापन किया जाता है।

वृदावन के कृष्ण मंदिरों में तीज का उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, जहां भगवान के लिए झूले बिछाए जाते हैं, जिसे झूलन लीला कहा जाता है। खासकर विवाहित हिंदू महिलाओं के लिए तो देवी पार्वती और भगवान शिव के दिव्य मिलन को समर्पित यह त्यौहार करवा चौथ के समान महत्व रखता है।

विभिन्न धार्मिक कथाओं के अनुसार हरियाली तीज व्रत की शुरूआत पर्वतराज हिमालय की पुत्री माता पार्वती ने की थी। माता पार्वती ने भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए काफी लंबे समय तक कठोर तपस्या की थी और यह व्रत किया था। इस व्रत के प्रभाव से ही भगवान शंकर उन्हें पति के रूप में प्राप्त हुए थे। हरियाली तीज मनाए जाने का वर्णन कई पौराणिक कथाओं में मिलता है। ऐसी ही एक पौराणिक कथा के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कई वर्षों तक कठोर तपस्या की थी।

भगवान शिव ने उनकी तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसीलिए इस दिन को माता पार्वती और भगवान शिव के पुनर्मिलन के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि तभी से ही हरियाली तीज का त्यौहार मनाने की परंपरा चली आ रही है और कुंवारी कन्याएं भी हरियाली तीज के दिन मनचाहे वर की प्राप्ति और विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए यह व्रत रखती हैं।

आखिर, मोदी सरकार ने सोनिया-राहुल से वन्दे मातरम्का पूरा गान करवा ही लिया !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में भाव भंगिमाओं के आधार पर व्यक्ति के व्यवहार से उसके आचरण को अभिव्यक्त किया है। वे लिखते हैं, रस की निष्पत्ति (उत्पत्ति) भावों के बिना संभव नहीं है और भावों की अभिव्यक्ति शारीरिक चेष्टाओं यानी भंगिमाओं के माध्यम से ही होती है। न भावहीनोऽस्ति रसो न भावो रसवर्जितः। (नाट्यशास्त्र, अध्याय 6, श्लोक 85)

इसका अर्थ यह है कि भाव के बिना रस की उत्पत्ति नहीं हो सकती और रस के बिना भाव का कोई अस्तित्व नहीं है। अब इन भावों का एक दृष्य 15 अगस्त के दिन कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम गायन के दौरान राहुल, खड़गे और सोनिया गांधी के इशारों में बात करते हुए देखने को मिला है।

आज भले ही राजनीतिक तौर पर इसके अपने मायने निकाले जाएं, भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोनिया गांधी पर वन्देमातरम्-गीत रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया जाए। जैसाकि वंदे मातरम की कुछ शुरूआती पंक्तियों के बाद ही सोनियाजी-राहुल को इसे लेकर असहज होते हुए सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है। मगर इतना तो स्पष्ट है कि इनसे आखिरकार मोदी सरकार ने पूरा राष्ट्रगीत गान करवाया है।

हालांकि कांग्रेस की ओर से कहा जा रहा है कि सोनियाजी ने वंदे मातरम रोकने की कोशिश नहीं की थी। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं। किंतु यह तो ओर भी अनुचित आचरण है, घण्टों भाषण देने खड़े रहने वाले क्या वंदे मातरम गान के लिए तीन मिनट दस सेकेंड भी सीधे नहीं खड़े हो सकते हैं? स्वभाविक है कि यह प्रश्न हर किसी के मन में आया है, जिसने उक्त वीडियो देखा है।

वस्तुतः कभी-कभी इतिहास भी अपने को दोहराता है, वह एक नए रूप में सामने आता है और कहता है, अपने अतीत से सीखो। क्योंकि भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में पहले भी कांग्रेस के मंचों और नेताओं द्वारा अनुचित व्यवहार किया जाता रहा और राष्ट्रगीत वंदे मातरम को रोकने का प्रयास हुआ है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मंचों पर वंदे मातरम को पूरा गाने से रोकने या उसे सीमित करने के मुख्य रूप से तीन बड़े ऐतिहासिक प्रसंग देखने को मिलते हैं, इस गीत के पूरे पाठ को लेकर शुरूआती दौर से ही कांग्रेस के भीतर और बाहर वैचारिक मतभेद दिखे। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया था। यह पहला अवसर था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गईं। वंदे मातरम का अर्थ है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था। 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता टाउन हॉल की विशाल जनसभा में हजारों छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने पहली बार सामूहिक रूप से वंदे मातरम का नारा लगाया। इसके बाद यह आंदोलन का मुख्य रणघोष बन गया।

बंगभंग (बंगाल का विभाजन) आधिकारिक तौर पर 16 अक्टूबर 1905 को जब तत्कालीन ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्जन ने किया, तब इस विभाजन के विरोध में उपजे आंदोलन को देश के इतिहास में वन्दे मातरम आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन पूरे बंगाल में लोगों ने उपवास रखा, एक-दूसरे को राखी बांधी और सड़कों पर नंगे पैर चलते हुए सामूहिक रूप से वंदे मातरम गाया।

ब्रिटिश सरकार ने बंगाल को हिंदू और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के आधार पर बांटकर फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई थी। इसके विरोध में 1906 के बारीसाल सम्मेलन में 10,000 से अधिक हिंदुओं और मुसलमानों ने एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर वंदे मातरम गाते हुए मार्च निकाला, जिसने अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति को सीधी चुनौती दी। बंगभंग के विरोध में विदेशी कपड़ों और वस्तुओं के बहिष्कार तथा स्वदेशी (भारतीय) वस्तुओं को अपनाने की शपथ इसी गीत को गाकर ली जाती थी। इस गीत ने आम जनता में देशप्रेम की ऐसी लहर पैदा की कि लोगों ने विदेशी सामानों की होली जलाई।

वस्तुतः इस गीत का प्रभाव इतना आक्रामक और तीव्र था कि लॉर्ड कर्जन और ब्रिटिश प्रशासन इससे डर गए। सरकार ने सार्वजनिक स्थानों और स्कूलों में वन्दे मातरम बोलने या गाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया। नारा लगाने वाले छात्रों को कोड़े मारे जाते थे, उन पर भारी जुमार्ने लगाए जाते थे और जेलों में डाल दिया जाता था। ब्रिटिश दमन ने इस गीत को और अधिक लोकप्रिय और क्रांतिकारी बना दिया। इतिहास में हम देखते हैं, यह आंदोलन केवल बंगाल तक सीमित नहीं रहा। वंदे मातरम के जरिए राष्ट्रवाद की यह गूंज पंजाब, मद्रास (चेन्नई), बम्बई (मुंबई) और आंध्र प्रदेश तक फैल गई। दिसंबर 1905 के वाराणसी कांग्रेस अधिवेशन में इस गीत को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय मंचों पर अनिवार्य कर दिया गया, जिससे यह पूरे भारत की स्वाधीनता की आवाज बन गया। मगर समय बीतने के साथ जैसे-जैसे इस्लामिक सोच राष्ट्रीय आन्दोलन पर भी हावी होने की कोशिश करने लगी, वंदे मातरम के पूरे गान का भी विरोध होने लगा।

जिस कांग्रेस ने इसे कभी राष्ट्रीय स्वर देने में अहम भूमिका निभाई थी, अब विरोध के स्वर वहीं से उठ रहे थे। पहला प्रमुख प्रसंग साल 1923 के काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन का है। इस अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद अली कर रहे थे। जब प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर परंपरा के अनुसार मंच पर वंदे मातरम गाने के लिए खड़े हुए, तो मौलाना मोहम्मद अली ने उन्हें बीच में ही टोकते हुए रुकने को कहा। मौलाना का तर्क था कि इस्लाम में संगीत की मनाही है और यह गीत उनके धार्मिक विश्वासों के अनुकूल नहीं है। किंतु पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर कहां रुकने वाले थे, उन्होंने रुकने से साफ मना कर दिया और दृढ़ता से कहा कि यह देश का राष्ट्रीय मंच है। उन्होंने विरोध के बावजूद अपना गायन पूरा किया, जिससे नाराज होकर मौलाना मोहम्मद अली कुछ देर के लिए मंच छोड़कर चले गए थे।

20 अक्टूबर 1937 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा सुभाष चंद्र बोस को लिखी गई एक चिट्ठी में वंदे मातरम गीत की पृष्ठभूमि, मुस्लिम समुदाय की आपत्ति और सांप्रदायिक राजनीति पर विस्तार से बात की गई। उन्होंने लिखाः प्रिय सुभाष, मुझे आनंदमठ का एक अंग्रेजी अनुवाद मिल गया है और वर्तमान में मैं इसे पढ़ रहा हूं ताकि इस गीत की पृष्ठभूमि को समझ सकूं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस (उपन्यास की) पृष्ठभूमि से मुसलमानों के असहज या उत्तेजित होने की पूरी संभावना है।

इसके बाद सबसे निर्णायक प्रसंग इसी अक्टूबर माह 1937 का है, जब कोलकाता में पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई। इस बैठक में आधिकारिक तौर पर एक प्रस्ताव पास करके पूरे गीत के बजाय केवल इसके शुरूआती दो छंदों को ही सार्वजनिक मंचों पर गाने की मंजूरी दी गई और शेष हिस्से पर रोक लगा दी गई।

दरअसल, मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग ने गीत के उत्तरार्ध में आने वाले धार्मिक प्रतीकों (जैसे मातृभूमि को दुर्गा और लक्ष्मी देवी के रूप में दशार्ना) पर कड़ा ऐतराज जताया था। अब स्वभाविक है कि जैसा कांग्रेस अपने चरित्र के अनुसार हमेशा ही करती है सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के नाम पर, तब आगे कांग्रेस के आयोजनों में पूरे गीत को गाने की परंपरा समाप्त हो गई और इसी के साथ भारत के साथ एक छल कांग्रेस ने यह किया कि उसने वंदे मातरम के माध्यम से भारत माता की पूर्ण प्रार्थना से कई दशकों तक लगातार सभी को वंचित रखा, खासकर कांग्रेस से जुड़े लोगों को। यहां इतिहास का संयोग दिखिए, जो कभी कांग्रेस के कर्णधारों ने स्वप्न में भी नहीं सोचा होगा, वह इस बार घट गया, किंतु विचार हम सभी करें, यदि संसद में इसे कानूनी संरक्षण देने वाला नया कानून पास नहीं हुआ होता तो क्या यह दिन देखने को मिलता? निश्चित ही प्रत्येक भारतवासी के लिए अपनी मां, भारत माता की प्रार्थना का अनिवार्य होना सुखद है !

पारिस्थितिकी के पहरेदार

योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में एक यह है कि यहां प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न और पूजनीय अंग माना गया है।

नदियों, पर्वतों, वृक्षों, पशु-पक्षियों और यहां तक कि धरती के भीतर रहने वाले जीवों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त करने की परंपरा रही है। इसी व्यापक प्रकृति-दृष्टि का विशिष्ट पर्व है नाग पंचमी। इस साल नाग पंचमी 17 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को है।

यह पर्व नागों के प्रति धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ-साथ मनुष्य और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। हिंदू धार्मिक परंपरा में नागों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भगवान शिव के गले में सुशोभित नाग हों, भगवान विष्णु की शेषनाग पर विराजमान दिव्य छवि हो अथवा समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका, भारतीय पौराणिक आख्यानों में नाग बार-बार शक्ति, संरक्षण, रहस्य, अनंतता और प्रकृति की अदृश्य ऊर्जा के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं। यही कारण है कि नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है। नाग पूजा की परंपरा कितनी प्राचीन है, इसका संकेत अनेक पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में मिलता है। नागवंश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से जोड़ा गया है।

नागों को पाताल लोक का निवासी बताया गया है। इसे आधुनिक भौगोलिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय प्राचीन भारतीय ब्रह्मांड-कल्पना के संदर्भ में समझना अधिक उचित है।

इन आख्यानों में नाग केवल भय उत्पन्न करने वाले जीव नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति की ऐसी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें मनुष्य पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता और जिनके साथ संतुलन बनाकर रहना आवश्यक है। नाग पंचमी की विशेषता केवल इतनी नहीं है कि इसमें नागों की पूजा की जाती है। इसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यह मनुष्य को उस जीव के प्रति भी सम्मान करना सिखाती है, जिससे वह स्वाभाविक रूप से भयभीत रहता है।

सांप को देखकर मनुष्य की पहली प्रतिक्रिया अकसर डर होती है लेकिन भारतीय परंपरा ने इसी भय को श्रद्धा में बदलने का प्रयास किया।

नाग को देवता मानने की परंपरा इस विचार को मजबूत करती है कि प्रकृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और मनुष्य को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य जीवों के अस्तित्व का भी सम्मान करना चाहिए।

भारत के विभिन्न हिस्सों में नागों को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं बल्कि कुलदेवता, ग्राम देवता, क्षेत्रपाल और स्थान देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। अनेक स्थानों के नाम भी नाग परंपरा से जुड़े दिखाई देते हैं। अनंतनाग, शेषनाग, नागपुर, नागालैंड और भागसूनाग जैसे नाम भारतीय सांस्कृतिक स्मृति में नागों की गहरी उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं। इस पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष इसका पर्यावरणीय महत्व है। आधुनिक विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि सांप पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं।

खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक सांप, चूहों तथा अन्य कृंतकों को खाते हैं। चूहे फसलों, अनाज और खाद्य भंडार को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में सांप प्राकृतिक रूप से उनकी संख्या नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। खाद्य- श्रृंखला में उनकी भूमिका जैविक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सांपों की किसी प्रजाति के समाप्त होने का प्रभाव केवल उसी प्रजाति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है।

दुर्भाग्य से नाग पंचमी की आस्था का लाभ उठाकर कुछ स्थानों पर सांपों को पकड़कर प्रदर्शित करने, उन्हें कैद रखने अथवा दूध पिलाने जैसी प्रथाएं भी देखने को मिलती हैं।

वैज्ञानिक दृष्टि से सांपों को दूध पिलाना उनके प्राकृतिक व्यवहार का हिस्सा नहीं है। सांपों का शरीर दूध के लिए अनुकूलित नहीं होता और जबरन दूध पिलाना उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसी प्रकार लंबे समय तक सांपों को कैद रखना, उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना या उनके प्राकृतिक आवास से निकालकर धार्मिक प्रदर्शन का साधन बनाना संरक्षण की भावना के विपरीत है। आस्था का सम्मान तभी सार्थक है, जब उसके नाम पर किसी जीव को पीड़ा न पहुंचाई जाए। सांपों की अनेक प्रजातियों को अवैध शिकार, आवासीय क्षेत्र में कमी, सड़क दुर्घटनाओं और मानव-सांप संघर्ष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी खाल और अन्य जैविक उत्पादों के अवैध व्यापार ने भी कई प्रजातियों के सामने संकट खड़ा किया है। इसलिए नाग पंचमी को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का अवसर बनाया जाना चाहिए। लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि प्रत्येक सांप विषैला नहीं होता और अधिकांश सांप मनुष्य से दूरी बनाए रखना ही पसंद करते हैं। घर या बस्ती में सांप दिखाई देने पर उसे मारने के बजाय प्रशिक्षित वन्यजीव बचाव दल की सहायता लेना अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार व्यवहार है। सर्पदंश से बचाव और उसके उपचार के संबंध में भी वैज्ञानिक जागरुकता बेहद जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई बार सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक या पारंपरिक उपचार पर निर्भरता देखी जाती है, जिससे उपचार में देरी हो सकती है। सर्पदंश की स्थिति में तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करना जीवनरक्षक कदम हो सकता है। नाग पंचमी जैसे व्यापक जनसरोकार वाले पर्व को इस प्रकार की स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी जागरूकता से जोड़ना समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। वास्तव में नाग पंचमी हमें केवल नागों की पूजा करने का अवसर नहीं देती बल्कि यह प्रश्न भी सामने रखती है कि प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए। यदि हम नाग देवता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं, लेकिन वास्तविक सांपों को उनके आवास से निकालकर कष्ट पहुंचाते हैं तो हमारी आस्था का उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

नागों के प्रति सच्चा सम्मान उन्हें सुरक्षित रहने देना, उनके आवासों की रक्षा करना और उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। नाग पंचमी भारतीय संस्कृति की उस जीवन-दृष्टि का पर्व है, जिसमें मनुष्य स्वयं को प्रकृति का स्वामी नहीं बल्कि उसका एक हिस्सा मानता है। पौराणिक आस्था और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित करते हुए यह पर्व हमें सिखा सकता है कि श्रद्धा तभी सार्थक है, जब वह संरक्षण में बदल जाए।

नागों के प्रति सम्मान का अर्थ उनके जीवन और प्राकृतिक आवास की रक्षा करना है।

आज का इतिहास

- **1870** : ब्रिटिश रेड क्रॉस सोसाइटी की स्थापना हुई।
- **1875** : बच्चों के लिए कहानियां लिखने वाले हैंस क्रिश्चियन एंडरसन का डेनमार्क में जन्म हुआ।
- **1914** : प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी ने बेल्जियम और ब्रिटेन ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1929** : अभिनेता, गायक एवं निर्देशक किशोर कुमार जन्म हुआ।
- **1935** : भारत शासन अधिनियम को ब्रिटेन की सरकार से स्वीकृति मिली।
- **1954** : पाकिस्तानी सरकार ने हफीज जालंधरी द्वारा लिखे गए गीत 'पाक सरजमीन' को राष्ट्रगान के रूप में अपनाने पर सहमति जतायी।
- **1956**: एशिया के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर 'अप्सरा' का परिचालन भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के ट्रॉम्बे परिसर में शुरू हुआ।
- **1947** : जापान में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई।
- **1961**: अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा का जन्म हुआ।

घने हिल स्टेशन और विलक्षण वन्य जीवन से परिचित होने एक बार जरूर जाएं केरल



पश्चिम में अरब सागर, पूर्व में पश्चिमी घाट और आपस में जुड़ी 44 नदियों वाले केरल में ऐसी अनेक भौगोलिक विशेषताएं हैं, जिनके कारण यह एशिया का सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल बना है। शांत समुद्र तटों के साथ लंबी तटरेखा, हरे और खूबसूरत बैकवाटर, घने हिल स्टेशन और विलक्षण वन्य जीवन जैसे आश्चर्य आपको यहां जरूर आकर्षित करेंगे। इतना ही नहीं, इनमें से हर खूबसूरत जगह, एक-दूसरे से कुछ ही घंटों की दूरी पर हैं, जो ऐसी खास बात है कि आपको कहीं और नहीं मिलेगी। केरल ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि संस्कृति अपने बीते समय को किस तरह सम्मान दे सकती है और आगे उन्नति और प्रगति भी कर सकती है। शत-प्रतिशत साक्षरता, विश्व स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली, भारत का न्यूनतम शिशु मृत्यु दर और सर्वाधिक जीवन आयु दर ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन पर यहां के लोगों को गर्व है।

भूगोल

केरल तीन भौगोलिक क्षेत्रों में बंटा हुआ है - उन्नत भूमि जो पश्चिमी घाटों से होकर लहरदार पहाड़ियों के भीतरी हिस्सों और घाटों से होकर अनेक सुंदर बैकवाटर, एक दूसरे से जुड़ी नहरों और नदियों की अटूट 580 किमी लंबी तटरेखा तक फैला है। जंगली भूमि घने जंगलों से आच्छादित है, जबकि अन्य इलाके चाय और कॉफी के बागानों या अन्य खेतों से भरपूर हैं। ज्यादातर राज्य हरा-भरा है, इस कारण यहां हमेशा शांत अनुभव मिलता है।

मौसम

पूरे वर्ष खुशनुमा और समान जलवायु से संपन्न केरल उष्णकटिबंधीय भूमि है, जहां आप चैन से आराम कर सकते हैं। यहां मानसून (जून-सितंबर और अक्टूबर-नवंबर) और गर्मियों का मौसम में विशेष रूप से महसूस होता है, जबकि शीत ऋतु में तापमान सामान्य स्तर यानी 28-32 डिग्री सेल्सियस से कुछ ही कम होता है। यहां का आम तौर पर खुशनुमा जलवायु पर्यटकों को खुश कर देता है।

लोग और जीवन

समाज कल्याण और जीवन स्तर के मामले में केरल भारत के सबसे उन्नत राज्यों में एक है। इस राज्य को भारत की सर्वाधिक साक्षरता दर, सबसे अधिक जीवन आयु और न्यूनतम शिशु मृत्यु दर की उपलब्धियां प्राप्त हैं। केरल की महिलाओं की साक्षरता दर पूरे एशिया में सर्वाधिक है। महानगरीय सोच रखने वाले यहां के लोगों को समाज के सभी स्तरों में सेवाएं और अवसर दोनों प्राप्त हैं और शासन में उनकी बात पूरे ध्यान से सुनी जाती है।

इतिहास

केरल का इतिहास उसके व्यापार से नजदीकी से जुड़ा है, जो पिछले कुछ समय तक इसके मसालों के व्यापार तक सीमित था। भारत के मसाला तट के रूप में प्रसिद्ध प्राचीन केरल में पूरी दुनिया के यात्री और व्यापारी आते थे, जिनमें ग्रीक, रोमन, अरबी, चीनी, पुर्तगाली, डट, फ्रांसीसी और ब्रिटिश शामिल हैं। इनमें से सभी विदेशियों ने किसी न किसी तरह यहां अपनी छाप छोड़ी है, जिसके कारण दुनिया के साथ केरल का का व्यवहार करने का अपना अलग तरीका है, जो केरल की तरह खूबसूरत है।

लोकेशन

केरल दक्षिण एशिया के देश भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित है।

प्रमुख नगर

तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोच्चि, त्रिश्शूर और कोझिकोड ।

एयरपोर्ट

तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट कोचीन अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (सीआईएएल), नेडुम्बाशेरी कालीकट अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, करिपुर।

बैकवाटर में हाउसबोट की सैर का आनंद लें

क्या आपने कभी केरल के बैकवाटर में हाउसबोट की सैर का आनंद लिया है? यदि नहीं, तो यह आनंद एक बार जरूर लें। यह केरल द्वारा पर्यटकों के लिए पेश किया जाने वाला सबसे यादगार और अनोखा अनुभव है।

यहां के हाउसबोट बड़े, धीमे चलने वाले विशेष नाव होते हैं, जिनमें सफर करने का आनंद आ जाता है, जो वास्तव में पुराने जमाने के केट्टुवल्लम का ही नया रूप है। असली केट्टुवल्लम का इस्तेमाल कई टन चावल और मसालों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता था। एक स्टैंडर्ड केट्टुवल्लम कुट्टनाड से कोच्चि पोर्ट तक 30 टन माल ले जा सकता है।

मलयालम भाषा में केट्टु का अर्थ तैरता ढांचा और वल्लम का अर्थ बोट होता है। इस बोट में लकड़ी के छालों की छत होती है। यह बोट पनस की लकड़ी के गट्ठों से बनी होती है, जिसे कोइर से जोड़ा जाता है। इसके बाद इसे काजू के उबले गूदे से बने कठोर काले राल का लेप लगाया जाता है। ध्यान से रख-रखाव करने पर केट्टुवल्लम अनेक पीढ़ियों तक काम में आता है।



केट्टुवल्लम का एक हिस्सा बांस और कोइर से ढंका होता है, जिसमें आरामघर और किचन होता है। भोजन इसी में बनाया जाता है और बैकवाटर से ताजे मछलियों को पकड़कर पकाया जाता है। जब आधुनिक ट्रकों ने परिवहन के इस साधन को बदल दिया, लोगों ने 100 वर्षों से अधिक पुराने इन बोटों को बाजार में बनाए रखने का नया तरीका ढूंढा। यात्रियों के लिए विशेष कमरे बनाते हुए इन बोटों को प्रयोग में लाने का नया तरीका ढूंढा जो बहुत लोकप्रिय हुआ है।

बैकवाटर का अभिन्न अंग है बोट

यहां, ये बोट बैकवाटर का अभिन्न अंग बन गए हैं और अलापूझा में ही 500 से अधिक हाउसबोट हैं। केट्टुवल्लम को हाउसबोट में बदलते समय, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है कि केवल प्राकृतिक वस्तुओं का ही इस्तेमाल किया जाए। बांस की चटाइयां, लकड़ियां और सुपारी के पेड़ की लकड़ियों का इस्तेमल छत, कोइर की चटाइयां और फर्श के लिए लकड़ी के तख्तों का और बिस्तर के लिए नारियल के पेड़ की लकड़ी और कोइर इस्तेमाल किया जाता है। आजकल लाइटिंग के लिए सोलर पैनलों को प्राथमिकता दी जाती है।

हाउसबोट में मिलती हैं होटलों जैसी सुविधाएं

इन हाउसबोट में वही आराम मिलता है, जो आपको किसी अच्छे होटल में मिलेगा, जिसमें अच्छे बेडरूम, आधुनिक शौचालय, सुंदर लीविंग रूम, किचन और नजारे देखने के लिए बाल्कनी भी मिलेंगे। लकड़ी या ताड़ की मुड़ी छत के हिस्से बाहर की ओर खुले होते हैं, जिससे छाया मिलती है और आप बिना किसी बाधा के बाहर के नजारे देख सकते हैं। जहां ज्यादातर बोट में स्थानीय मल्लाह होते हैं, वहीं कुछ बोट में 40 एचपी का इंजन लगा होता है। नजारे देखने वाले लोगों के ग्रूप के लिए दो या दो से अधिक हाउसबोड को जोड़कर बोट ट्रेन बनाई जाती है। हाउसबोट में यात्रा करने की सचमुच खास बात यह है कि आप बोट में आराम करते हुए अछूते और दुर्गम पहुंच वाले ग्रामीण केरल के बेहतरीन नजारे देख सकते हैं।

यहां उपलब्ध हैं हाउसबोट

हाउसबोट तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टयम, आलप्पुझा, एर्नाकुलम, त्रिश्शूर और कासरगोड़ में उपलब्ध हैं।

डीटीपीसी हाउस बोट प्रीपेड काउंटर

हाउसबोट बुक करने के लिए, यात्री जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (डीटीपीसी) द्वारा संचालित हाउस बोट प्रीपेड काउंटर ट्रस्टेड सर्विस, ट्रस्टेड रेट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बारिश के दिनों में आइजोल के टॉप पर्यटन स्थल पर लें मौसम का मजा

बारिश का नाम लेते ही पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के नाम मुंह पर आ जाते हैं, क्योंकि इन्हीं क्षेत्रों में सबसे ज्यादा बारिश होती हैं और इस वजह से यहां के प्राकृतिक नजारे किसी भी देखने वाले के दिल में समा जाते हैं। आज हम बात कर रहे हैं आइजोल की जो मिजोरम की राजधानी है। आइजोल को अपनी खड़ी पर्वत श्रेणियों, पहाड़ियों और घाटियों के मनोहर दृश्यों के लिए जाना जाता हैं। आज हम आपको आइजोल से अवगत कराने जा रहे हैं। जिसे जानकर आपका मन भी करेगा कि आइजोल घूमने के लिए जाया जाए। तो आइये जानते हैं आइजोल के बारे में।

आइजोल में और आसपास के पर्यटन स्थल

दुर्ग रूपी शहर, आइजोल में कई पर्यटन स्थल हैं। चूंकि, आइजोल पर्यटन अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में हो सकता है, लेकिन फिर भी इसके आसपास के इलाकों में अनेक पर्यटन स्थल हैं, जो रोमांचक और हैरान कर देने वाले हैं। शहर के पश्चिम में घाटी से नीचे की ओर बहने वाली हरी भरी तलौंग नदी देखे बिना आइजोल की यात्रा अधूरी है। तलौंग नदी शहर की पश्चिमी सीमा पर है और तुरियल नदी-घाटी पूर्व में ऐसा ही भव्य चित्र बनाती है।

तामदिल झील पर नाव की सवारी एक प्रमुख आकर्षण है, जो कि शहर से बहुत दूर नहीं है। अगर आपको मछली पकड़ने का शौक है तो साइहा में छिमतुईपुई नदी एक बेहतरीन जगह है। 750 फीट की ऊंचाई से गिरने वाला मिजोरम का सबसे ऊंचा वनतवांग झरना देखे बिना आइजोल की यात्रा अधूरी रहती है। फौंगपुई मिजोरम की सबसे ऊंची चोटी है जो आर्किड, रोडोडेंड्रोन और पहाड़ी बकरियों एवं तितलियों के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

आइजोल न केवल राज्य की राजधानी है बल्कि यह राज्य के सांस्कृतिक केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। मिजोरम राज्य संगहालय, सोलोमन मंदिर तथा आइजोल की जुड़वा झील-रंगदिल झील आदि कुछ ऐसे पर्यटन स्थल हैं जो आइजोल पर्यटन को दिलचस्प बनाते हैं। आइजोल के पास एक लोकप्रिय स्थान है, रीक, जो राज्य की राजधानी के पास एक छोटा सा सांस्कृतिक गांव है। इस गांव में पर्यटकों को मिजो की विशिष्ट झोपड़ियां देखने को मिलेंगी, जबकि इस गांव के किनारे प्राकृतिक जंगलों और पथरीली चट्टानों से सुसज्जित हैं। नियमित उड़ानों से आइजोल कोलकाता और गुवाहाटी से जुड़ा है, जो देश के बाकी हिस्सों से जुड़े हुए हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन सिलचार(शहर से लगभग 184 किमी दूर) में है जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग 54 राज्य की राजधानी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है।



बारिश का मजा लेना है तो पार्टनर के साथ करें, इन हसीन जगहों की सैर

बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच के सुहाने मौसम का असली लुत्फ उठाना है तो घर से बाहर निकलिए। बैग पैक करिए और पार्टनर के साथ निकल पड़ें इन खूबसूरत जगहों की सैर पर। बारिश की बूंदें इन जगहों की सुंदरता में चार चांद लगा देती है।

मुन्नार

केरल का स्वर्ग कहा जाने वाला मुन्नार भी बहुत सुंदर हिल स्टेशन है। 12 हजार हेक्टेयर में फैले चाय के बागान इसके सौंदर्य में चार चांद लगाते हैं। शहर की भीड़ और प्रदूषण से दूर शुद्ध हवा और चाय की खुशबू आपको नई ताजगी से भर देगी। यहां कि घुमावदार सड़कें, ऊंचे-ऊंचे पेड़, घने जंगल और उन पर पड़ती पानी की बूंदे आपको कुदरत के करीब होने का एहसास दिलाएगी। पहाड़ पर डेरा लगाए बादलों का झुंड आपको मोहित कर देगा। यहां ढेर सारे सुंदर झरने भी हैं।



मेघालय

उत्तर-पूर्व का यह छोटा सा राज्य बेहद खूबसूरत है। वैसे तो यहां का मौसम हमेशा ही खुशगवार रहता है, लेकिन मानसून की बात ही अलग है। मानसून के समय यहां के कुदरती नजारे और निखर जाते हैं। यहां की खासी, जैंतिया और गारो पहाड़ियां बारिश में और सुंदर दिखती हैं। 'मासिनराम' मेघालय का बेहद सुंदर इलाका है, जो 1491 मीटर ऊंचाई वाली खासी पहाड़ियों पर है। यहां सबसे ज्यादा बारिश होती है, इसलिए इसका नाम दुनिया गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। बारिश के कारण ही यहां कि हरियाली कभी फीकी नहीं पड़ती। झरने, घने जंगल, पहाड़ और पहाड़ों के नीचे बनी गुफाएं मेघालय का खास आकर्षण है।

कुर्ग

कर्नाटक का छोटा-सा हिल स्टेशन है कुर्ग, जो अपनी खूबसूरती के कारण सैलानियों की पसंदीदा जगह बन गया है। बारिश के मौसम में यह जगह और भी खूबसूरत हो जाती है। पार्टनर के साथ यहां सुंदर घाटियां, वॉटर फॉल, कॉफी-चाय के बागान, संतरे के बगीचे और नदियों का मजा ले सकते हैं।

वैली ऑफ फ्लॉवर्स

यदि आपको फूलों से बहुत मोहब्बत है तो उत्तराखंड का वैली ऑफ फ्लावर्स आपका इंतजार कर रहा है। हिमालय की इन वादियों में आपको हर तरफ बस रंग-बिरंगे फूल ही फूल दिखेंगे। वैली ऑफ फ्लॉवर्स में 400 से भी ज्यादा फूल देख सकते हैं। फूलों की नगरी की सैर आपके मानसून के सफर को खूबसूरत और यादगार बना देगी।

सिंधु समाज दिल्ली ने भावपूर्ण ढंग से मनाया स्वतंत्रता दिवस

तिरंगा फहराकर शहीदों और सिंध से विस्थापित होकर आए पूर्वजों को किया

सिंधु समाज दिल्ली (पंजीकृत) की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराकर देशभक्ति और श्रद्धा के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज के लोगों ने राष्ट्र की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की एकता, अखंडता एवं समृद्धि का संकल्प लिया। सिंधु समाज दिल्ली के महामंत्री श्री नरेश बेलानी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि उन अनगिनत वीरों को याद करने का अवसर है जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी से भारत को आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज हम जिस आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, उसके पीछे हमारे वीर शहीदों का त्याग, संघर्ष और बलिदान है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि सिंधी समाज के बलिदान और संघर्ष की कहानी भी देश के इतिहास का अभिन्न हिस्सा है। विभाजन के समय सिंध की अपनी जन्मभूमि, घर, कारोबार, संपत्ति, रिश्ते-नाते और जीवनभर की कमाई छोड़कर हजारों-लाखों सिंधी परिवार भारत आए। अनेक परिवारों ने सब कुछ खो दिया, लेकिन देश के प्रति विश्वास और नई जिंदगी शुरू करने के हौसले को नहीं खोया।







उन्होंने कहा हमारे बुजुर्ग सिंध से खाली हाथ भारत आए थे लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत, ईमानदारी और संघर्ष से न केवल अपने परिवारों को संभाला, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमें उनके त्याग को कभी नहीं भूलना चाहिए।श्री बेलानी ने कहा कि आज की पीढ़ी का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता के मूल्य को समझे और देश की एकता, भाईचारे तथा सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाए।सिंधी समाज ने हमेशा देश की तरक्की और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और आगे भी इसी भावना के साथ देश के विकास में योगदान देता रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के लोगों ने तिरंगे को नमन करते हुए अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा उन सिंधी पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी के बावजूद भारत को अपना घर बनाया और अपने संघर्ष से नई पहचान बनाई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और देश की एकता-अखंडता के संकल्प के साथ हुआ।

कार्बन उत्सर्जन घटाने, ऊर्जा बचाने और इंडोर एयर क्वालिटी सुधारने की तकनीक ने विशेषज्ञों का खींचा ध्यान

बंदरगाहों और बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कार्बन उत्सर्जन कम करने, ऊर्जा की खपत घटाने तथा इंडोर एयर क्वालिटी में सुधार लाने के उद्देश्य से विकसित बंकरमैन की स्वदेशी ह्यडायरेक्ट कार्बन कैप्चर एट नेगेटिव कॉस्ट (DCCNC) तकनीक का सस्टेन पोर्ट इंडिया 2026 सम्मेलन में प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। तकनीक को बंदरगाहों के लिए टिकाऊ, ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल समाधान के रूप में विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सम्मेलन का आयोजन मिशन एनर्जी फाउंडेशन द्वारा भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में देश के प्रमुख बंदरगाहों एवं प्रतिष्ठित संस्थानों से इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, पर्यावरण विशेषज्ञों और कंसल्टेंट्स ने भाग लिया। इस अवसर पर बंकरमैन के संस्थापक मेजर जनरल (डॉ.) श्री पाल, श्रट (सेवानिवृत्त) ने उऊउठउ तकनीक पर शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह तकनीक मौजूदा एयर-कंडीशनिंग एवं वेंटिलेशन प्रणालियों के साथ एकीकृत होकर कार्बन डाइऑक्साइड (CO), वॉलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स (श्डउ२) सहित अन्य वायु प्रदूषकों को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। इसके साथ ही एयर-कंडीशनिंग प्रणालियों की ऊर्जा आवश्यकता को कम करने की क्षमता भी इस तकनीक को विशेष बनाती है। शोधपत्र के अनुसार, पारंपरिक कार्बन कैप्चर प्रणालियों में जहां भारी पूंजी निवेश और लगातार परिचालन खर्च की आवश्यकता होती है, वहीं उऊउठउ को ऊर्जा बचत और परिचालन लागत में कमी के साथ कार्बन कैप्चर को आर्थिक रूप से अधिक व्यवहारिक बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। तकनीक के माध्यम से एयर-कंडीशनिंग क्षमता, बिजली खपत और परिचालन व्यय में कमी लाने की संभावनाएं भी प्रस्तुत की गईं।



मेजर जनरल डॉ. श्री पाल ने कहा कि देश के विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना आज की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय आधुनिक स्वदेशी तकनीक के माध्यम से दोनों उद्देश्यों को साथ लेकर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने ग्रेट निकोबार आइलैंड विकास परियोजना का उदाहरण देते हुए उऊउठउ तकनीक की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उनके अनुसार, प्रस्तुत गणनाओं के आधार पर परियोजना में संभावित रूप से प्रभावित लगभग 10 लाख पेड़ों के स्थान पर 2.1 करोड़ से अधिक वृक्षों के बराबर पर्यावरणीय लाभ प्राप्त करने की क्षमता विकसित की जा सकती है।

उन्होंने यह भी बताया कि ऊर्जा बचत और कार्बन क्रेडिट से परियोजना में महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ की संभावना बन सकती है। डॉ. श्री पाल के अनुसार, प्रस्तुत आकलन में एयर-कंडीशनिंग ऊर्जा की बचत से लगभग 700 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तथा कार्बन क्रेडिट से 100 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक आय की संभावनाएं बताई गई हैं। हालांकि, ये आंकड़े परियोजना-विशिष्ट आकलन और वास्तविक कार्यान्वयन की परिस्थितियों पर निर्भर करेंगे।

बंकरमैन के अनुसार, DCCNC तकनीक की व्यावहारिक क्षमता का प्रदर्शन इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की गुवाहाटी रिफाइनरी में चल रहे एक प्रोजेक्ट से भी सामने आया है। कंपनी के मुताबिक यह परियोजना पिछले करीब दो वर्षों से संचालित है और इसके अनुभव के आधार पर देश की अन्य परियोजनाओं में भी इस तकनीक के उपयोग की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। सस्टेन पोर्ट इंडिया 2026 में प्रस्तुत शोधपत्र में बंदरगाहों को उऊउठउ तकनीक के व्यापक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया गया। आधुनिक बंदरगाहों में कार्गो टर्मिनल, वेयरहाउस, यात्री सुविधाएं, नियंत्रण कक्ष, प्रशासनिक भवन और अन्य संरचनाएं बड़ी मात्रा में एयर-कंडीशनिंग एवं वेंटिलेशन प्रणालियों पर निर्भर रहती हैं। इन परिसरों में उऊउठउ तकनीक के एकीकृत उपयोग से **कार्बन उत्सर्जन में कमी, ऊर्जा संरक्षण, एयर-कंडीशनिंग लोड में संभावित कमी और इंडोर एयर क्वालिटी प्रबंधन जैसे कई क्षेत्रों को एक साथ संबोधित किया जा सकता है। मेजर जनरल डॉ. श्री पाल ने कहा कि सतत विकास को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच किसी एक विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उपयुक्त स्वदेशी तकनीक के माध्यम से दोनों उद्देश्यों को एक साथ आगे बढ़ाना संभव है। सम्मेलन में DCCNC तकनीक का प्रदर्शन भारत में विकसित पर्यावरणीय एवं ऊर्जा-कुशल तकनीकों की बढ़ती क्षमता को रेखांकित करने के साथ-साथ देश के बंदरगाह एवं बड़े बुनियादी ढांचा क्षेत्र में कम-कार्बन विकास की नई संभावनाओं की ओर भी संकेत करता है।

इतवारी सेवा संस्थान में हर्षोल्लास के साथ मनाया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

इतवारी सेवा संस्थान के कार्यालय में देशभक्ति, उत्साह एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, समाजसेवियों एवं संस्था के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समारोह का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को नमन किया और देश की एकता, अखंडता एवं स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प लिया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक महान जिम्मेदारी भी है। आजादी को सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा केवल सीमा पर तैनात सैनिक ही नहीं करते, बल्कि समाज का प्रत्येक नागरिक अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करके राष्ट्र को मजबूत बना सकता है। उन्होंने प्रेरणादायी संदेश देते हुए कहा हम सभी भारत के सैनिक हैं। हम जहाँ हैं, जिस क्षेत्र में हैं, वहीं से अपने भारत को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें।

डॉ. अशोक कुमार ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ और मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। इसलिए राष्ट्र निर्माण की शुरूआत अपने स्वास्थ्य से होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से नियमित योग, प्राकृतिक जीवनशैली, संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को भी राष्ट्र सेवा का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि हमें अपने घर, संस्था और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अवसर मिलने पर वृक्षारोपण करने और लगाए गए पौधों की देखभाल करने का आग्रह किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण मिल सके। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों एवं संस्था के सदस्यों ने देश की एकता, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से ओत-प्रोत रहा। समारोह के अंत में सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया तथा ह्यस्वस्थ नागरिक–स्वच्छ पर्यावरण–सशक्त भारतह्व के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



श्री झूलेलाल चालीहा महोत्सव में गूंजा एकता, सेवा और संस्कृति का संदेश

गुरुग्राम के श्री झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज के गणमान्य लोगों ने की पूजा-अर्चना

शब्दवाणी सम्माचार टीवी, सोमवार 17 अगस्त 2026, (प्रबंध सम्पादकीय श्री अशोक लालवानी 8803818844), गुरुग्राम। भगवान श्री झूलेलाल चालीहा महोत्सव के पावन अवसर पर गुरुग्राम स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। सिंधी समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्री झूलेलाल साहिब के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर समाज की एकता, सुख-समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट श्री अशोक भेरवानी नॉर्थ इंडिया के प्रेसिडेंट श्री अशोक लालवानी सहित नॉर्थ इंडिया की टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नॉर्थ इंडिया के वरिष्ठ सलाहकार श्री मोहन आहूजा, दिल्ली ठउफके वाइस प्रेसिडेंट श्री लाल कुमार खेमानी, नॉर्थ इंडिया के रीजनल सेक्रेटरी श्री रतन जगवानी तथा दिल्ली ठउफलेडीज विंग की प्रेसिडेंट श्रीमती समीरा छुगानी ने भी सहभागिता की।



इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं विशेष अतिथि श्री किशोर अजवानी की उपस्थिति भी रही। उन्होंने सिंधी समाज के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में सहभागिता करते हुए समाज की एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत समाजसेवी श्री विनोद कुमार पाहिलाजानी ने किया। समाज के लोगों ने उनके सेवाभावी एवं सहयोगी व्यक्तित्व की सराहना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि श्री पाहिलाजानी लंबे समय से समाज के लोगों की सहायता और सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। जरूरतमंद समाजबंधुओं की सहायता के लिए आगे बढ़कर सहयोग करना उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचायक है। वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्री झूलेलाल केवल सिंधी समाज की आस्था के प्रतीक ही नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे, सेवा और एकता के संदेश के भी प्रतीक हैं। चालीहा महोत्सव समाज को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर सभी ने भगवान श्री झूलेलाल साहिब से सिंधी समाज की एकता, समृद्धि, सुख-शांति और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति से वातावरण भक्तिमय बना रहा। झूलेलाल साहिब की जय के जयघोष के साथ कार्यक्रम ने सिंधी समाज की एकता, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया।





ब्रीफ न्यूज

बंगाल में सीजेपी कार्यकर्ता के पिता की पिटाई से मौत

कोलकाता, आरएनएन। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में सरकारी स्कूल की बदहाल स्थिति को सामने लाने का दावा करने वाले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ता और उसके पिता पर कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, 25 वर्षीय शेख अब्दुल हफीज सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत एक सरकारी स्कूल का जायजा लेने पहुंचे थे। आरोप है कि स्कूल की खराब स्थिति को सामने लाने के बाद स्थानीय लोगों के एक समूह ने उन्हें और उनके पिता जनाब मफीक को निशाना बनाया। शनिवार को मफीक ने सिर में गंभीर चोटों के चलते दम तोड़ दिया।

ड्रग्स केस में यूएई से लाया गया वांटेड वीरेंद्र

पुणे, आरएनएन। पुणे की एक कोर्ट ने कथित ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को 21 अगस्त तक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में भेज दिया है। बसोया को हाल ही में यूएई से भारत प्रत्यर्पित किया गया था और रविवार को उसे पुणे की कोर्ट में पेश किया गया। इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत ने एनसीबी की याचिका पर बसोया का 3 दिन का ट्रांजिट रिमांड मंजूर किया था, ताकि उसे पुणे की कोर्ट में पेश किया जा सके। एनसीबी ने अदालत से छह दिन की कस्टडी मांगी थी, जबकि बचाव पक्ष ने सिर्फ चार दिन की हिरासत की मांग की। एनसीबी बसोया से बाकी आरोपियों की भूमिका, नेटवर्क और फरार आरोपियों के बारे में पूछताछ करना चाहती है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दी सफाई

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी नेताओं को नहीं कहा दिमागी नक्सली

बोले, दिमागी नक्सली का मतलब केवल उन लोगों से है जो माओवादियों का समर्थन करते हैं व संविधान को नहीं मानते

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी की आलोचना करने पर विपक्षी दलों को अड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सली नहीं कहा था।

किरेन रिजिजू ने साफ किया कि दिमागी नक्सली का मतलब सिर्फ उन लोगों से है जो माओवादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते। जो अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं और अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं और जो उत्तर-पूर्व को भारत से अलग करने के लिए चिकन नेक कॉरिडोर को काटने की वकालत करते हैं। वहीं, विपक्ष भी पीएम मोदी के बयान पर आगबबूला है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए हजारों शहीद सुरक्षाकर्मियों के बलिदान को याद किया और देश से नक्सलवाद को सफलतापूर्वक खत्म करने के लिए सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भले ही जंगल में हथियार उठाने वाले नक्सली खत्म कर दिए गए हों, लेकिन दिमागी नक्सली भी हैं जो देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद हैं। उन्हें पहचानकर अलग-थलग करने की जरूरत है ताकि देश के युवाओं को एक विकसित भारत के लिए एकजुट किया जा सके। सालों तक सार्वजनिक जीवन में माओवादी सोच वाले लोग मौजूद रहे। सरकारी कमेटियों में भी इस सोच ने कई संस्थानों और पहलों को प्रभावित किया।

पीएम मोदी ने दिमागी नक्सल को लेकर क्या कहा था?

पीएम मोदी ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियों, हम हथियारबंद नक्सल पर लगाम लगाने और देश को उनसे मुक्त करने में सफल रहे हैं। भले ही ये नक्सली चले गए हों, लेकिन दिमागी नक्सल (नक्सली सोच वाले लोग) मौके की तलाश में हैं, हिंसा के रास्ते खोज रहे हैं और देश को गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें इन दिमागी नक्सलियों की पहचान करनी होगी, उन्हें अलग-थलग करना होगा और एक विकसित देश के लिए युवाओं को एकजुट करना होगा।

लाल किले से दिए भाषण के बाद कांग्रेस बुरी तरह भड़की

लाल किले से दिए गए भाषण के बाद, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और दिमागी नक्सलियों (विचारधारा वाले नक्सलियों) के खिलाफ उनकी चेतावनियों को खोखली राजनीतिक बयानबाजी करार दिया। देश की तरक्की के लिए खतरा बने दिमागी नक्सलियों की पहचान करने और उन्हें अलग-थलग करने की पीएम मोदी की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि इस शब्द का कोई वास्तविक आधार नहीं है और इसकी तुलना अर्बन नक्सल शब्द को लेकर हुई पिछली बहसों से की।



जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी के पिछले बयान पर किया कटाक्ष: जयराम रमेश ने आरोप लगाया, दो-तीन साल पहले, उन्होंने (पीएम मोदी) अपने राजनीतिक विरोधियों को अर्बन नक्सल कहा था। उस समय संसद में यह सवाल उठा था कि अर्बन नक्सल की परिभाषा क्या है। गृह मंत्री ने जवाब दिया था कि अर्बन नक्सल जैसी कोई चीज नहीं है और न ही इसकी कोई परिभाषा है। आज, प्रधानमंत्री लाल किले से अपने राजनीतिक विरोधियों के लिए मेंटल नक्सल (विचारधारा वाले नक्सल) शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। रमेश ने आगे आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अक्सर अपने आलोचकों को बुरा-भला कहती है, लेकिन बाद में उन्हीं नीतियों को अपना लेती है जिनकी वे वकालत करते हैं। असलियत यह है कि जिन लोगों को वे अर्बन नक्सल कहते हैं, उन्हीं के उठाए मुद्दों और मांगों को वे आखिरकार मान लेते हैं।

अटल जी ने 24 दलों को साथ लेकर लोकतंत्र में नई मिसाल कायम की

सीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की पुण्यतिथि पर शौर्य स्मारक स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की

● **भोपाल /** (एजेंसी)



भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को शौर्य स्मारक के पास स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने 24 दलों को साथ लेकर सहमति, संवाद और विश्वास के आधार पर गठबंधन सरकार चलाकर भारतीय लोकतंत्र में नई मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी विराट व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने आजादी के पहले और बाद में देश तथा नई पीढ़ी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। साहित्य, पत्रकारिता, राजनीति, संगठन और सरकार के विभिन्न दायित्वों में उनकी भूमिका अभूतपूर्व रही। उन्होंने कहा कि अटल जी ने लोकतंत्र, राष्ट्रवाद और सुशासन को नई दिशा दी। विपक्ष के नेता रहते हुए भी उन्होंने कई मौकों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देकर विश्व मंच पर भारत की भाषा और संस्कृति का गौरव बढ़ाया। विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने देश की विदेश नीति को नई दिशा दी। पाकिस्तान के साथ संवाद की पहल कर शांति का संदेश दिया, वहीं पोखरण परमाणु परीक्षण के जरिए भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने का साहसिक निर्णय लिया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और स्वर्णिम चतुर्भुज योजना अटल जी की दूरदृष्टि और विकास की सोच के सशक्त उदाहरण हैं।

अटल जी की ग्राम सड़क योजना ने बदली देश की तस्वीर

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को प्रोफेसर कॉलोनी के साईं मंदिर परिसर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने प्रतिमा का अनावरण कर अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में नेताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व, राष्ट्रसेवा, सुशासन और संगठन निर्माण में उनके योगदान को याद किया। नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की उपलब्धियां केवल प्रधानमंत्री बनने तक सीमित नहीं थीं। उनके पीछे वर्षों की तपस्या, दूरदृष्टि, संवेदना और आम आदमी की समस्याओं की गहरी समझ थी। अटल जी ने देश के करीब छह लाख गांवों को सड़कों से जोड़ने का सपना देखा था। इसी सोच से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू हुई, जिसने देश के ग्रामीण परिवेश की तस्वीर बदल दी।

अटल जी व्यक्ति नहीं, एक युग थे

हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि अटल जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक युग थे। अटल जी ने सिखाया कि व्यक्ति जीवन में कितनी भी ऊंचाइयों पर पहुंचे, उसे अपनी जड़ों, अतीत और विचारों को कभी नहीं भूलना चाहिए। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत को विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्रहित की नई दिशा दी। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देती रहेगी। अटल जी की विचारधारा आज भी प्रासंगिक है।

बंदूक की तलाश में पहुंची पुलिस, वाहन चालक के घर मिले 3 करोड़ रुपए कैश

सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र का मामला, नोट गिनने मंगानी पड़ी मशीन

● **सागर/** (एजेंसी)



शहर के गोपालगंज थाना क्षेत्र के तिली तिगड्डा में रविवार को पुलिस एक युवक के घर बंदूक तलाशने पहुंची। तलाशी के दौरान हथियार तो नहीं मिला, लेकिन घर से करीब 3 करोड़ रुपए कैश मिलने से पुलिस के होश उड़ गए। नोटों की गिनती के लिए मशीन मंगानी पड़ी। मौके पर पुलिस के साथ राजस्व और आयकर विभाग की टीमें भी जांच में जुटी हैं। यह रकम भोपाल में पदस्थ एक सरकारी इंजीनियर की बताई जा रही है। जानकारी अनुसार स्कूल बस ड्राइवर सौरभ अहिरवार ने सोशल मीडिया पर हाथ में बंदूक लिए फोटो पोस्ट किया था। पुलिस इसी पोस्ट की जांच करते हुए हथियार की तलाश में उसके घर पहुंची थी।

तलाशी के दौरान पुलिस को कमरों में बड़ी मात्रा में बैगों में रखी नकदी मिली। नकदी इतनी ज्यादा थी कि पुलिसकर्मियों को नोटों की गिनती के लिए मशीनें मंगानी पड़ीं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि सौरभ और उसका भाई अंकित अहिरवार शहर में किराए की टैक्सी यानी कार चलाने का काम करते हैं। दोनों अपनी मां के साथ रहते हैं। उनके पिता जगदीश अहिरवार का निधन हो चुका है। इतनी बड़ी रकम घर में मिलने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी।

भोपाल के लोनिवि इंजीनियर की बताई जा रही है यह राशि

पूछताछ के दौरान परिजनों ने दावा किया कि बरामद रकम भोपाल के चूना भट्टी क्षेत्र में रहने वाले एक रिश्तेदार की है, जो लोक निर्माण विभाग में इंजीनियर के पद पर कार्यरत बताए जा रहे हैं। हालांकि, इतनी बड़ी रकम घर में क्यों रखी गई थी और इसका वास्तविक स्रोत क्या है, यह जांच का विषय है। पुलिस अब इस दावे की भी पड़ताल कर रही है।

आयकर और राजस्व विभाग भी जांच में शामिल

पुलिस ने मामले की जानकारी आयकर विभाग और राजस्व विभाग को दे दी है। अब एजेंसियां बरामद की गई रकम के स्रोत, लेन-देन और उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच करेंगी। फिलहाल पुलिस ने घर को सील कर दिया है और परिवार के सदस्यों से पूछताछ जारी है। पुलिस हथियार वाले सोशल मीडिया पोस्ट के साथ-साथ 3 करोड़ नकदी के स्रोत की भी जांच कर रही है।

लाखों शहीदों का सोनिया गांधी ने किया अपमान

नई दिल्ली, आरएनएन। भाजपा विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम के पूरे संस्करण को लेकर हुई कथित घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोनिया गांधी से भारत के नागरिकों, विशेषकर पश्चिम बंगाल के लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की अपील की।

बंकिम चंद्र के वंशज ने की माफी की मांग

चटर्जी ने अपने पत्र में वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका का उल्लेख करते हुए अरबिंदो, खुदीराम बोस, बिपिन चंद्र पाल, सरला देवी चौधरानी, बाल गंगाधर तिलक और रवींद्रनाथ टैगोर से जुड़े कई ऐतिहासिक प्रसंग भी गिनाए। अपने पत्र में चटर्जी ने लिखा कि जब देश स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मना रहा था और पूरा देश मातृभूमि की पूजा में लीन था, उस समय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में हुई घटनाएं न केवल दुर्भाग्यपूर्ण थीं, बल्कि एक ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना थीं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस कार्यकर्ता वंदे मातरम का पूरा संस्करण गा रहे थे, तब सोनिया गांधी की स्पष्ट बेचैनी, नाराजगी और इसे रोकने की बार-बार की कोशिशों'' ने उन्हें बेहद दुखी किया। चटर्जी ने अपने पत्र में लिखा, एक आम भारतीय नागरिक, एक देशभक्त और सबसे बढ़कर, ऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार का सीधा वंशज होने के नाते, मैं आज गहरे दर्द, खालीपन और दुख के साथ यह पत्र लिख रहा हूं।



अब लड़कियां बोलेंगी और देश सुनेगा

राहुल ने छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले शेयर किया वीडियो

● **नई दिल्ली /** (एजेंसी)



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 22 अगस्त को महाराष्ट्र के पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले एक वीडियो शेयर किया है।

उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं ने इस शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने शांति, मोहब्बत और हंसी-मजाक के साथ अपनी आवाज बुलंद की। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा, मुझे हर एक युवा पर गर्व है, खासकर उन लड़कियों पर, जिन्हें भाजपा के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उन्हें प्रधानमंत्री से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन अब उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकेगी। राहुल ने पोस्ट में कहा, 22 अगस्त को छात्रों की गूंज पुणे पहुंच रही है और इस बार का कार्यक्रम सिर्फ लड़कियों के लिए होगा। अब लड़कियां बोलेंगी, देश सुनेगा।

सदन में विपक्ष ने किया लोकतंत्र की साख खत्म करने का प्रयास

नई दिल्ली, आरएनएन। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने संसद के मानसून सत्र में विपक्ष के लगातार हंगामे पर गहरी चिंता जताई है।



उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही में बार-बार व्यवधान डालना देश में लोकतंत्र की नींव पर बड़ा प्रहार है। उन्होंने कहा, इससे संसदीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता को कमजोर करने की कोशिश होती है। एक इंटरव्यू में हरिवंश ने कहा कि संसद में बार-बार संविधान का जिक्र किया जाता है और उसकी प्रतियां लेकर प्रदर्शन किए जाते हैं। हम संविधान की पुस्तकें लेकर घूमते हैं मगर हमारा आचरण कैसा है? मैं किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं कह रहा हूं। आज हजारों की संख्या में लोग संविधान की किताब लेकर घूमते हैं। संविधान पर चर्चा के दौरान करीब 2400 संशोधन पेश किए गए थे।

जानकारी

ब्रोकली खाने से टल जाएंगी ये प्रॉबल्म



ब्रोकोली, जो दिखने में बिल्कुल फूलगोभी की तरह होती है। ज्यादातर लोग इसका इस्तेमाल सलाद के रूप में करते है। बहुत से लोग ऐसे भी है, जो ब्रोकोली का सूप या सब्जी बनाकर खाना पंसद करते है। भारत में ब्रोकोली का चलन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी यह आम लोगों में ज्यादा लोकप्रिय नहीं है। ब्रोकोली बहुत ही पौष्टिक सब्जियों में आती है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोकैमिकल्स मौजूद होते है। इसके अलावा ब्रोकोली में आयरन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स भरपूर मौजूद हैं। इससे शरीर स्ट्रोंग बनता है और उसे कई बीमरियों से लड़ने की ताकत मिलती है। हम आपको बताएंगे कि ब्रोकोली खाने से आप किन-किन बीमारियों से बचे रहते हैं।

कैंसर से बचाव

ब्रोकोली में फाइटोकैमिकल्स मौजूद होता है, जो शरीर में जाकर हॉर्मोस कैंसर से बचाएं रखता है। यह शरीर में पैदा होने से कैंसर सेल्स को रोकती है और शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों का बाहर निकालती है। ब्रोकोली को एंटी-कैंसर सब्जी भी कहा जाता है।

इम्युनिटी बढ़ाएं

ब्रोकोली में विटामिन सी भरपूर होता है, जो बॉडी के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से शरीर को किसी भी प्रकार के संक्रमण से लड़ने की क्षमता मिलती है। यह बॉडी से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती है और सर्दी-जुकाम से दूर रखती है।

स्वस्थ होगा दिल

ब्रोकोली में कैरोटीनोइड ल्यूटिन पाया जाता है, जो दिल की धमनियों को मोटा होने से रोकता है। इसके अलावा इसके सेवन से दिल का दौरा पड़ने का खतरा टल जाता है और कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम हो जाता है।

आंखों के लिए फायदेमंद



ब्रोकोली में बीटा-कैरोटीन तत्व होता है, जो विटामिन ए का अच्छा स्त्रोत है। इसके सेवन से आंखें स्वस्थ रहती है और मोतियाबिंद होने का खतरा कम होता है। इसको खाने से आंखों रोशनी बढ़ती है।

हर किसी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खासकर बारिश और सर्दियों के मौसम में लोगों को अक्सर सर्दी-जुकाम, फीवर के साथ ही स्किन से संबंधित शिकायत हो जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही फूड के बारे में बताएंगे, जिसके खाने से आप इस मौसम में शरीर को होने वाली छोटी-मोटी समस्याओं से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं शरीर को एनर्जी देने वाले इन सुपर फूड के बारे में।



रोजाना इन चीजों के सेवन से शरीर रहेगा हमेशा तंदुरुस्त

तिल

एंटीऑक्सीडेंट और आयरन के गुणों से भरपूर तिल का गुड़ के साथ सेवन करना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा आप इससे बनी तिलपट्टी का सेवन भी कर सकते हैं।

गोंद के लड्डू

एक बाउल में गोंद, गेहूं का आटा, चीनी, घी, खरबूज के बीज, बादाम, और इलाइची को मिक्स करके लड्डू बनाएं। रोजाना 1 लड्डू खाने से आपके शरीर में गर्मी बनी रहेगी।

संतरा, गाजर, अमरूद

विटामिन ए और सी से भरपूर इन फलों का सेवन आपके इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है। इसके अलावा ये फ्रूट्स आंखों और स्किन के लिए भी बहुत अच्छे होते है।

अलसी के बीज

इसमें पीसा गुड़, क्रश नट्स, तरबूज के बीज और कद्दू के बीजों को मिला पंजीरी बना लें। इसे रोजाना खाने से सर्दी-कफ के साथ-साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम भी दूर होगी।

चिक्की

मूंगफली और गुड़ से बनी चिक्की का रोजाना सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद न्यूट्रीशन सर्दियों में भी शरीर को गर्म रखते है।

दालचीनी कुकीज

चीनी, आटा, दालचीनी, बेकिंग पाउडर, नमक, मक्खन, अंडे, और वेनिला एस्सेंस को मिला कर कुकीज तैयार करें। रोजाना 1 कुकीज खाने से आपको शरीर को एनर्जी तो मिलेगी, इसके साथ ही इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम भी दूर होगी।

रोस्टेड नट्स

विटामिन ई के गुणों से भरपूर मूंगफली, काजू, बादाम, अखरोट जैसे नट्स को रोस्ट करके रोजाना खाने से स्किन में ग्लो आने के साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम दूर होती है।

मखाने

मखानों को जैतून या नारियल के तेल में रोस्ट करके इनके उपर हल्की सी चिल्ली फ्लेक्स और ओरिगैनो छिड़के। रोज सुबह इसका सेवन करने से शरीर को पूरा दिन एनर्जी मिलती है।

हेल्दी यूटरस के लिए खाएं ये फूड्स

औरतों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी होता है। अगर वे खुद हैल्दी रहेंगी, तभी अपने परिवार का भी अच्छे से ख्याल रख पाएंगी। ऐसी बहुत सी परेशानियां होती हैं, जो औरतों की पर्सनल प्रॉब्लम होती हैं। इसके बारे में वह कई बार किसी से खुल कर बात भी नहीं कर पाती। महिलाओं में डिलीवरी या फिर शारीरिक कमजोरी के कारण बच्चेदानी में कमजोरी आ जाती है। यूटरस की कमजोरी को दूर करने के लिए अपने आहार में शामिल करें ये चीजें।



फाइबर : फाइबर युक्त आहार खाने से शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। अपने खाने में फल, हरी सब्जियां, बींस और 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें।

सब्जियां: सब्जियों में कैल्शिम, पोटाशियम, मैग्नीशियम और विटामिन भरपूर मात्रा में शामिल होते हैं। इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है और किसी तरह की इंफेक्शन की भी डर नहीं रहता।

फल: विटामिन सी युक्त फलों का सेवन करने से कई तरह की बीमारियों से राहत मिलती है। फलों का सेवन करने से ओवरी कैंसर से भी राहत मिलती है।

डेयरी प्रॉडक्ट : दूध, पनीर, मक्खन जैसे कैल्शियम से भरपूर पदार्थ भी बच्चेदानी के सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

ग्रीन टी: ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती है। बच्चेदानी से जुड़ी समस्याओं के लिए रोजाना एक कप ग्रीन टी का सेवन करें।

ड्राई फ्रूट और बीज: खाने में बादाम, अलसी के बीज, काजू, अखरोट को जरूर शामिल करें। इनमें फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है, जो ओवरी के लिए लाभकारी है।

सुझाव

माउथवॉश से दूर करें स्किन की कई परेशानियां



मुंह की बदबू को दूर करने के लिए हम लोग अक्सर माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आप शायद यह नहीं जानते कि दांतों की फ्रैशनेस के अलावा भी इसके कई इस्तेमाल हैं। ब्यूटी से जुड़ी बहुत सी परेशानियों को दूर करने के लिए यह काम आ सकता है। आइए जानें किन तरीकों से ब्यूटी प्रॉब्लमस को दूर करता है माउथवॉश।

रूसी

सर्दी के मौसम में बालों में रूसी की समस्या होना आम बात है। इसके लिए माउथवॉश बहुत लाभकारी है। बालों को शैंपू के साथ धोने के बाद जड़ों पर माउथवॉश के साथ मसाज करें और फिर पानी से बाल धोकर कंडीशनर कर लें। हफ्ते में 1 बार इसका इस्तेमाल करें। लगातार 3-4 बार इस्तेमाल से रूसी गायब हो जाएगी।

नाखूनों की फंगस

नाखूनों में फंगस जमा हो जाने पर ये काले पड़ जाते हैं। इसके लिए माउथवॉश और सेब के सिरके को बराबर मात्रा में मिलाकर रूई की सहायता से नाखूनों पर लगाएं। इसका दिन में 2 बार इस्तेमाल करें।

हैंड सैनेटाइजर

माउथवॉश को आप हैंड सैनेटाइजर की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे छोटी बोतल में डालकर अपने पर्स में रख लें और सैनेटाइजर की जगह पर इस्तेमाल करें, लेकिन इससे पहले इस बात की जांच कर लें कि ये शूगर और एल्कोहल फ्री हो।

दूर करें हाथों की बदबू

माउथवॉश सिर्फ मुंह की बदबू को दूर करने का काम ही नहीं करता, बल्कि इससे हाथों में से आ रही लहसुन और प्याज की बदबू भी दूर हो जाती है। माउथवॉश को हाथों पर रगड़ लें और सूखने दें।

फटी एड़ियां करें ठीक

गुनगुने पानी में 1-2 ढक्कन माउथवॉश डाल लें और इसमें पैरों को डूबों कर रखें। इसके बाद क्रीम से पैरों की मसाज करें।

पेट के लिए अच्छा होता है हरा बादाम

हरे बादाम नट्स होते हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। सूखे बादाम की तुलना में इनमें कई पोषक तत्व अधिक होते हैं। क्या-क्या हैं इनके फायदे और इन्हें कैसे खाएं, इस आलेख में हम यही बता रहे हैं -

- हरे बादाम स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, क्योंकि ये एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल सकते हैं। ये रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।



- ये बादाम वजन घटाने के लिए अच्छे हैं, क्योंकि इनमें स्वस्थ वसा शामिल है। ये अतिरिक्त वसा को बाहर निकालने में मदद करते हैं।
- हरे बादाम पेट के लिए अच्छे होते हैं, क्योंकि इनमें बहुत अधिक फाइबर होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाता है और कब्ज से मुक्ति दिलाता है।
- ये बालों के लिए भी फायदेमंद हैं, क्योंकि इनमें विटामिन, खनिज और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं।
- हरा बादाम फोलिक एसिड का अच्छा स्रोत है, जो भ्रूण के मस्तिष्क और न्यूरोलॉजिकल विकास में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन ई बच्चे को अस्थमा के जोखिम से बचाता है।

बरतें सावधानी

- सूखे बादाम के मुकाबले हरे बादाम में पानी की मात्रा अधिक होती है और फाइबर भी ज्यादा होता है। इसलिए गर्मियों के मौसम में सूखे बादाम के मुकाबले हरे बादाम ज्यादा खाए जा सकते हैं।
- हरे बादाम में पानी और फाइबर की मात्रा भरपूर होने के कारण ये गर्मियों के मौसम में पाचन में बहुत मदद करते हैं। वैसे तो हरे बादाम को खाने की मात्रा डाइट पर निर्भर करती है, पर आमतौर पर आठ से दस बादाम एक दिन में खाये जा सकते हैं।
- हरे बादाम में पोटैशियम अधिक होता है। इसलिए किडनी से जुड़ी परेशानी वालों को विशेषज्ञ से परामर्श के बाद ही इनका सेवन करना चाहिए।
- वैसे तो हरे बादाम को छीलकर खाया जा सकता है, पर कोई इस तरह न खाना चाहे, तो इनको ऑलिव ऑयल के साथ भी खा सकते हैं।



बुढ़ापे से रहना है दूर तो रोजाना खाएं ये 5 तरह के फूड

लहसुन और सब्जियां

लहसुन और दूसरी सब्जियां जैसे प्याज, लीक्स और शैलॉट्स में एलियम होता है, जो फ्री रेडिकल्स का सामना करने का ताकतवर हथियार है। ये न केवल एजिंग का सामना करते हैं, बल्कि शरीर के इम्यून सिस्टम की मजबूती भी बढ़ाते हैं।

बेरीज

बेरीज जैसे कि ब्लूबेरीज, स्ट्रॉबेरीज, ब्लैकबेरीज, चेरीज और पॉमग्रेनेट एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। गहरे रंगों वाले फल और सब्जियों में एंटी ऑक्सीडेंट कैमिकल्स सुरक्षित रहते हैं।

बीन्स

सभी तरह की बीन्स, रेड, ब्लैक, किडनी, एंटिऑक्सीडेंट्स का समृद्ध स्रोत हैं। सोयाबीन्स में आईसोफ्लेवन्स होता है, जिसमें एंटि-एजिंग गुण होते हैं। ये कैंसर, बैड कोलेस्ट्रॉल और ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम में सहायक होते हैं।

नट्

नट्स में स्वास्थ्यवर्धक फैट होते हैं, जो इलास्टिन और कोलेजेन का लाभ देते हुए (त्वचा में पाए जाने वाले प्रोटीन) त्वचा की नमी बरकरार रखते हैं। एक मुट्ठी नट्स रोज लेने से आपको जरूरी एंटिऑक्सीडेंट्स मिल जाते हैं। कम मात्रा में लेने की सलाह दी जाती है, चूंकि नट्स में काफी कैलोरी होती है।

बुढ़ा होना एक नेचुरल प्रक्रिया है, जिसे आने से कोई नहीं रोक सकता है, लेकिन जीवन में मिलने वाली तमाम तरह की चुनौतियों से लड़ते-लड़ते इंसान कितनी जल्दी बूढ़ा हो जाता है, ये बात वह खुद भी नहीं समझ पाता है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों के नीचे कालापन, बालों का रूखा होना जैसी चीजें दिखाती हैं कि आप बूढ़े होने लगे हैं। ऐसे में हमारा खानपान बेहतर होना बहुत जरूरी है। हम आपको ऐसे फूड के बारे में बता रहे हैं, जिसके सेवन से बुढ़ापा जल्दी नहीं आएगा। टमाटर और तरबूज लाइकोपेन के समृद्ध स्रोत के रूप में जाने जाते हैं। लाइकोपेन फ्री रेडिकल्स को न्यूट्रिलाइज करता हुआ उनका सामना करता है और विशेष तरह के कैंसर होने के चांस भी घटाता है। एंटिऑक्सीडेंट्स की मौजूदगी त्वचा को सन डैमेज से सुरक्षित रखती है। पकाए गए टमाटर बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि गर्म होने के कारण शरीर में अधिक एंटिऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। टमाटर का जूस और कच्चे टमाटर भी अच्छे स्रोत हैं।

रेसिपी

ऑरेंज संदेश की मिठाई



सामग्री

- किसा हुआ ताजा पनीर: 2 कप
- ऑरेन्ज क्रश (संतरे का गूदा): 3/4 कप
- दूध: 2 टेबल-स्पून
- छिले हुए संतरे की फांक: 1/2 कप
- केसर: 5 धागे
- पिस्ता बारीक कटा हुआ: 1 चम्मच

विधि

पनीर, संतरे का गूदा और दूध को एक बाउल में मिलाकर तब तक मसलें, जब तक सारी सामग्री मिक्स होकर एक जैसी न हो जाए। मिश्रण की छोटी-छोटी गोलियां बनाएं और उसके ऊपर केसर के धागे एवं कटा हुआ पिस्ता डालकर सजाएं। सर्व करते समय इन्हें संतरे की फांक के साथ सजाकर पेश करें। आप चाहें तो इसे प्लेट में डालकर अच्छी तरह फैला लें। इसके ऊपर संतरे की फांक लगाकर सजाएं। कम से कम 3 से 4 घंटे के लिए इसे फ्रिज में जमने के लिए रखें। ठंडा परोसें।

बाजरा खिचड़ी



सामग्री

- बाजरा : 1 कप
- गाजर (कटी हुई) : 1/2 कप
- बीन्स : 1/2 कप
- मटर : 1/2 कप
- हरी धुली मूंग दाल : 1/2 कप
- प्याज : 1/2 कप
- हल्दी : एक चौथाई टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून
- जीरा : 1 टेबलस्पून
- लाल मिर्च : 1 टेबलस्पून
- तेल : 1 टेबलस्पून

विधि

मूंग दाल धोकर आधे घंटे तक भिगोने के लिए रख दें। बाजरे को धोएं और उसे पानी में एक घंटे के लिए भिगोकर रख दें। प्रेशर कुकर लें और इसमें एक टेबलस्पून तेल डालें। इसके बाद एक टेबलस्पून जीरा डालें। कटी हुई प्याज डालकर धीमी आंच पर पकाएं। प्याज के हल्के भूरे होने पर इसमें गाजर डालें। अब कटे हुए बीन्स और मटर डालें। अच्छी तरह से मिक्स करें। हल्का पकने के बाद इसमें मूंग दाल के साथ उसका पानी भी डाल दें। अब प्रेशर कुकर में बाजरे के साथ उसका पानी भी डाल दें। इसमें थोड़ा और पानी डालकर इसे उबाल लें। अब 1 टेबलस्पून नमक, लाल मिर्च और हल्दी पाउडर डाले। खिचड़ी जैसा गाढ़ापन लाने के लिए इसमें थोड़ा और पानी डालें। अब प्रेशर कुकर का ढक्कन ढक दें। प्रेशर कुकर में तीन से चार सीटियां लगने दें। 10 मिनट के लिए ठंडा होने दें। दही के साथ गरमागरम खिचड़ी सर्व करें।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।
तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नहीं रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नहीं रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नहीं जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

▫ करके देखें ▫ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▫ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/00049 हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

भोपाल बनेगा खेलों की राजधानी, खिलाड़ियों को मिलेगा विश्वस्तरीय मंच : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग प्रतियोगिता की विजेता-उपविजेता टीमों को किया पुरस्कृत

प्रतियोगिता में नेशनल सेलिंग स्कूल भोपाल की टीम 20 पदकों के साथ रही सबसे अव्वल

● भोपाल / (एजेंसी)

राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण का रविवार को बड़े तालाब स्थित जल क्रीड़ा केंद्र (बोट क्लब) में समापन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया तथा विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों और प्रशिक्षकों का सम्मान किया। प्रतियोगिता में नेशनल सेलिंग स्कूल भोपाल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 पदकों के साथ पहला स्थान हासिल किया।

गोवा की टीम दूसरे और सिकंदराबाद की टीम तीसरे स्थान पर रही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेल मध्यप्रदेश की पहचान बन रहे हैं। भोपाल में खेल गतिविधियों का तेजी से विस्तार हुआ है और 18 प्रमुख खेलों में से 11 की अकादमियां संचालित हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी के बाद अब भोपाल को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भोपाल को देश की खेल राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।



इसके लिए खेल विभाग का बजट लगातार बढ़ाया जा रहा है और प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक स्टेडियम विकसित करने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में मध्यप्रदेश का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। कभी देश में 17वें स्थान पर रहने वाला प्रदेश अब अपने प्रदर्शन के आधार पर तीसरे स्थान तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भोपाल की झीलों पर देश के श्रेष्ठ सेलिंग खिलाडियों का हुनर दिखना गौरव की बात है। सरकार का लक्ष्य केवल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं, बल्कि प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय रैंकिंग से आगे अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है। डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप के सफल आयोजन से भोपाल की पहचान प्रमुख वाटर स्पोर्ट्स केंद्र के रूप में मजबूत हुई है। भोपाल की झीलें सेलिंग सहित रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग जैसी जल क्रीड़ाओं के लिए अनुकूल हैं।



(एजेंसी)

खेल मंत्री सारंग बोले- मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में खेलों को नई गति मिली

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में खेलों के विकास को नई गति मिली है। भोपाल में खेल संग्रहालय बनाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार खेल और पर्यटन के समग्र विकास पर जोर दे रही है। मध्यप्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मंत्री सारंग ने विजेता भोपाल तथा उपविजेता गोवा की टीमों को सम्मानित किया। भोपाल टीम के खिलाड़ी वासु चंद्रवंशी, माही वर्मा, तुलसी पटले, एकलव्य बाथम, वंशिका सिकरवार, इयान पाटीदार, प्रार्थना भोई, अंकित सिसोदिया, समर पंचेश्वर और सिद्धि टंडन सहित प्रशिक्षकों जीएल यादव, राम मिलन, नरेंद्र एस. राजपूत और अनिल शर्मा को पुरस्कृत किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों समेत मध्यप्रदेश के कई खेल सितारों को भी किया गया सम्मानित

इस दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में पदक एवं उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों यामिनी मौर्य, समरदीप सिंह गिल, देवकुमार मीणा और कुलदीप कुमार को भी सम्मानित किया गया। सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप-2026 में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली खुशी दाभाड़े तथा 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मध्यप्रदेश हॉकी टीम के खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला।

पहला टेस्ट : दूसरे दिन हो सका सिर्फ 43 ओवर का खेल

बारिश से प्रभावित मैच में भारत 450 के पार पडिक्कल ने खेली 167 रनों की शतकीय पारी

● गॉल / (एजेंसी)

गॉल में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन बारिश के कारण खेल बुरी तरह प्रभावित रहा, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्टंप्स तक पहली पारी में 9 विकेट पर 460 रन बना लिए। कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा 1 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरे दिन सिर्फ 43 ओवर का खेल हो सका। दिन की शुरुआत करीब साढ़े चार घंटे की देरी से हुई। इसके बावजूद देवदत्त पडिक्कल ने पहले दिन के 100 रन से आगे खेलते हुए अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। उन्होंने 230 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 167 रन की शानदार पारी खेली।

पडिक्कल ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 150 से अधिक रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की थी। राहुल पहले दिन 77 रन पर क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए थे। दूसरे दिन दोबारा बल्लेबाजी करने उतरे राहुल हालांकि अपने स्कोर में केवल पांच रन जोड़ सके और 82 रन पर आउट हो गए। उन्होंने 175 गेंदों की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। शॉर्ट लेग पर निशान मदुश्का ने उनका शानदार कैच पकड़ा। राहुल के बाद ऋषभ पंत भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। 39 रन पर पंत को डेब्यू कर रहे केशरा नुवांथा ने आउट किया।

पंत ने आगे बढ़कर कई बार बड़े शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन अंततः मिड ऑफ पर कैच दे बैठे। पडिक्कल ने इसके बाद ध्रुव जुरेल के साथ उपयोगी साझेदारी की। हालांकि प्रभात जयसूर्या की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में पडिक्कल स्टंप आउट हो गए। उनकी 167 रन की पारी ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जुरेल ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 68 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। उन्होंने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए और अपना दूसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। हालांकि धनंजय डीसिल्वा ने पहली स्लिप में शानदार कैच लेकर उनकी पारी समाप्त कर दी। इसके बाद भारत को कुछ और झटके लगे। रवींद्र जडेजा 13, मोहम्मद सिराज 11 और मानव सुथार 24 रन बनाकर आउट हुए।



पडिक्कल ने बनाया खास रिकॉर्ड

167 रन की पारी के साथ पडिक्कल ने टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए 150 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के खास क्लब में जगह बना ली। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके थे। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज भी बने। उनसे पहले सौरव गांगुली ने 2002 में जिम्बाब्वे के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी।

गावस्कर ने भारतीय खिलाड़ियों की चोटों पर उठाए सवाल

इस बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों की लगातार बढ़ रही चोटों पर चिंता जताई है। उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के फिजियो को जिम्मेदार ठहराने के बजाय टीम के ट्रेनिंग सिस्टम और वर्कलोड मैनेजमेंट की समीक्षा की जरूरत बताई। गावस्कर के मुताबिक भारतीय खिलाड़ियों में बार-बार सामने आ रही हैमस्ट्रिंग की चोटों को सामान्य मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। उनका कहना है कि यह पता लगाना जरूरी है कि ट्रेनिंग के तरीके में कहीं कोई कमी तो नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिम में फिट होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों का मैच फिट होना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार ट्रेनिंग का तरीका मैदान पर पड़ने वाले वास्तविक दबाव और मैच की जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए। गावस्कर ने गेंदबाजों के नेट्स में वर्कलोड को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर टी20 मैच में गेंदबाज को कम से कम 24 गेंदें डालनी हैं, तो अभ्यास में उससे काफी कम गेंदबाजी करवाना मैच की तैयारी के लिहाज से हमेशा सही नहीं हो सकता। भारतीय टीम में लगातार चोटों के कारण टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों की उपलब्धता चोटों से प्रभावित रही है। ऐसे में आगामी बड़े टूर्नामेंटों को देखते हुए खिलाड़ियों की फिटनेस और सही वर्कलोड मैनेजमेंट टीम प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल रन आउट	32	37	5	0
राहुल कॉ. फर्नांडो बो.नुवांथा	82	175	10	1
पडिक्कल स्टं.डिकवेला बो.जयसूर्या	167	230	15	1
गिल कॉ. लाहिरू बो.जयसूर्या	16	28	2	0
पंत कॉ दिनुशा बो. नुवांथा	39	62	4	1
जुरेल कॉ. डीसिल्वा बो.जयसूर्या	51	68	4	1
जडेजा एलबीडब्ल्यू बो. नुवांथा	13	25	1	0
सुथार कॉट लाहिरू बो.जयसूर्या	24	43	2	0
सिराज कॉ.डीसिल्वा बो.फर्नांडो	11	15	0	1
कुलदीप नाबाद	12	13	2	0
प्रसिद्ध नाबाद	1	4	0	0

कुल रन: 460/9 (116.0 ओवर)
विकेट पतन: 1-47, 2-236, 3-307, 4-319,5-357, 6-377,7-432, 8-447, 9-447.
गेंदबाजी: फर्नांडो: 17 -1 -61- 1, लाहिरू: 13- 1- 76- 0, नुवांथा: 39- 1- 175 -3, जयसूर्या: 39- 6 -109 -4, डीसिल्वा: 4- 0 -15- 0, दिनुशा: 4 -0 -17- 0.



टेस्ट में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को रौंदकर किया बड़ा उलटफेर

दूसरी पारी में मिला था 57 रनों का लक्ष्य

● डार्विन / (एजेंसी)

बांग्लादेश ने डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले टेस्ट मुकाबले में पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट की शर्मनाक शिकस्त दी।

चार दिनों के भीतर ही खत्म हुए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 228 रनों से पिछड़ गया था और दूसरी पारी में भी ढहकर बांग्लादेश के सामने महज 57 रनों का बेहद आसान लक्ष्य ही रख सका।

मेहमान बांग्लादेशी टीम ने केवल एक विकेट गंवाकर 14.2 ओवरों में ही इस लक्ष्य को पा लिया और ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपनी पहली टेस्ट जीत का ऐतिहासिक परचम लहरा दिया।

284 रन पर सिमटी ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 284 रन पर ऑलआउट करने के बाद बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रन की जरूरत थी। मेहमान टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। पहली पारी में कंगारू टीम 198 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की धरती पर पहली टेस्ट जीत

बांग्लादेश के लिए यह मुकाबला यादगार बन गया। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज करने के लिए बांग्लादेश ने महज 3 टेस्ट मैचों का समय लिया, जिसके साथ ही वे ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर सबसे तेजी से टेस्ट जीतने वाली एशियाई टीम और दुनिया की दूसरी सबसे तेज टीम बन गए हैं।

पैट कमिंस के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

इस हार के साथ ही कप्तान पैट कमिंस के नाम एक बेहद अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। 2021-22 एशेज सीरीज से कमान संभाल रहे कमिंस ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास में ग्रेग चैपल के बाद केवल दूसरे ऐसे कप्तान बन गए हैं जिन्हें घरेलू सरजमीं पर दो अलग-अलग एशियाई टीमों के खिलाफ टेस्ट मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा है।

राष्ट्रीय ट्रायथलॉन स्पर्धा में मध्यप्रदेश ने जीते चार पदक

जूनियर वर्ग में कनकश्री ने जीता स्वर्ण



● भोपाल / खेल संवाददाता

पुणे में आयोजित तीन दिवसीय सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर राष्ट्रीय ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक हासिल किए। जूनियर वर्ग में कनकश्री धारवाल ने स्वर्ण पदक जीता।

सब-जूनियर वर्ग में अस्मी कटारिया ने कांस्य पदक अपने किया। वहीं अंडर-23 वर्ग में दुर्विशा पवार और अंडर-19 वर्ग में सरगम बाथरे ने रजत पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। मध्यप्रदेश टीम के कोच कमलेश बाथरे और मैनेजर तेज प्रकाश धारवाल रहे।

टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ट्रायथलॉन संघ के अध्यक्ष श्रीकांत तिवारी, भारतीय ट्रायथलॉन संघ के सह-सचिव एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जे.पी. सक्सेना, मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सह-सचिव ओ.पी. अवस्थी, संघ के सचिव उमाशंकर व्यास सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों हरिश शुक्ला, चित्रेश शर्मा, चंद्रशेखर अवस्थी, एस.एन. पंडित, सुधीर नेमा, रघुवीर तिवारी और प्रभु मूलचंदानी समेत अनेक वरिष्ठ खिलाड़ियों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मेदांत व शुभ समेत 14 को बढ़त

मध्य प्रदेश जूनियर शतरंज टीम का चयन शुरू

● भोपाल / खेल संवाददाता

मध्य प्रदेश जूनियर शतरंज टीम की चयन प्रक्रिया भोपाल के सेज इंटरनेशनल स्कूल में शुरू हो चुकी है। प्रदेश के 166 खिलाड़ियों में कुल आठ स्थानों के लिए मुकाबला हो रहा है। प्रदेश शतरंज इतिहास में पहली बार जूनियर स्पर्धा एक अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग स्पर्धा भी है जिसके शीर्ष चार बोर्ड के मुकाबलों का सीधा प्रसारण किया जा रहा है। भोपाल के मेदांत जैन



,प्रणीत चोरघाड़े, अवीश शिंदे,पीहू जैन, ग्वालियर के शुभ खत्री,कटनी के अथर्व पलता, इंदौर के दर्शील अइयर, प्रीत पाल, अविका पवार और शहडोल के सारांश तिवारी समेत 14 खिलाड़ी अपने मुकाबले जीतकर बढ़त पर चल रहे हैं।

महिला हॉकी विश्व कप में भारत का ड्रॉ से आगाज

चीन को 2-2 की बराबरी पर रोका

● एक्सटेलवीन / (एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को एफआईएच महिला हॉकी वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत मजबूत अंदाज में की। पूल डी के पहले मुकाबले में भारत ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज चीन को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर मौजूद भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। नवनीत कौर ने आठवें मिनट में मैदानी गोल दागकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। चीन ने पहले क्वार्टर के अंतिम सेकेंड में वापसी की और झांग यिंग ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।



पुरुष टीम की इंग्लैंड के खिलाफ अग्निपरीक्षा आज

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में शानदार आगाज करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार को अपने दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी। वेल्स को 3-1 से हराने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भारत की नजरें लगातार दूसरी जीत दर्ज करने के साथ-साथ पूल-डी में शीर्ष स्थान हासिल करने पर होंगी। भारत ने अपने पहले मुकाबले में वेल्स को 3-1 से शिकस्त दी थी।

मेजबानी इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आज से 23 अगस्त तक खेली जाएगी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

दिल्ली में दुनिया के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी दिखाएंगे दम

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 17 साल बाद सोमवार से होने जा रहा है। दुनिया के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब के लिए राजधानी दिल्ली में अपना दमखम दिखाएंगे। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम इस बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत 2009 के बाद पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। सात दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 64 पुरुष और 64 महिला खिलाड़ी सिंगल्स वर्ग में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा तीन डबल्स कैटेगरी में 48 जोड़ियां भी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। टूर्नामेंट के मुकाबले 17 अगस्त से शुरू होंगे। पहले दिन पुरुष और महिला सिंगल्स ड्रॉ के टॉप हाफ के मुकाबले खेले जाएंगे। भारत का वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार रिकॉर्ड रहा है। देश ने 1983 में पहली बार पदक जीता था, जब प्रकाश पादुकोण ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। 2011 से भारत ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के हर संस्करण में कम से कम एक पदक जीता है। लगातार 11 संस्करणों में भारत के खाते में कुल 14 पदक आए हैं। लगातार अच्छे प्रदर्शन के मामले में भारत की बराबरी केवल चीन ने की है।



भारत में यहां देख सकेंगे लाइव

भारत में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 का लाइव टेलीकास्ट स्पोर्ट्स 18 पर किया जाएगा। वहीं, दर्शक जियो सिनेमा पर टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग देख सकेंगे।

भारतीय टीम

- **पुरुष सिंगल्स:** लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी
- **महिला सिंगल्स:** पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा
- **पुरुष डबल्स:** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी, हरिहरन अमसाकरुणन/एमआर अर्जुन
- **महिला डबल्स:** ट्रेसा जॉली/गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंघी
- **मिक्स्ड डबल्स:** ध्रुव कपिला/तनीषा क्रास्टो, रोहन कपूर/रुत्विका शिवानी गद्दे (कनाडा)

पहले राउंड में शी युकी से भिड़ेंगे आयुष शेट्टी

पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड का एक बड़ा मुकाबला मौजूदा चैंपियन और टॉप सीड चीन के शी युकी तथा भारत के उभरते हुए खिलाड़ी आयुष शेट्टी के बीच होगा। वहीं, पूर्व चैंपियन पीवी सिंधू भी फिर खिताब की दौड़ में होंगी। सिंधू के नाम महिला सिंगल्स में सबसे ज्यादा वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने का संयुक्त रिकॉर्ड है। वह इस बार अपना छठा वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने के इरादे से उतरेंगी।



नाग पंचमी की पूजा के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, प्रसन्न होंगे नाग देवता

पंचांग के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त को मनाया जाएगा। यह त्योहार नाग देवता को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सांपों को दूध पिलाने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और नाग देवता की पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन पूजा के दौरान कुछ गलतियों को करने से कई समस्या जीवन में आ सकती है।

सावन के महीने में नाग पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन नाग देवता की पूजा-अर्चना और व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि नाग देवता की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा नियम का पालन न करने से साधक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है। चलिए इस लेख में जानते हैं नाग पंचमी की पूजा के नियम के बारे में।

इन बातों का रखें ध्यान

नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद पूजा करें। इस दिन मंदिर में चांदी के नाग और नागिन का दूध से अभिषेक करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को राहु और केतु से संबंधित दोषों से छुटकारा मिलता है।

- नाग पंचमी पर चांदी के नाग और नागिन का दान करने से कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा साधक को नाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- नाग पंचमी के अवसर पर पूजा के दौरान नाग देवता को दूध अर्पित करें। इससे भय दूर होता है और परिवार के सदस्यों को सुख-शांति की प्राप्ति होती है।
- नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिवलिंग पर दूध अर्पित करने के लिए तांबे के धातु से बने पात्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दूध चढ़ाने के लिए पीतल से बने पात्र को अच्छा माना जाता है।
- इसके अलावा नुकीली चीजों के इस्तेमाल से दूर रहें। ऐसा करना हानिकारक हो सकता है और इससे नाग देवता क्रोधित हो सकते हैं।



नाग पंचमी के दिन क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

नाग पंचमी हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. यह दिन पूरी तरह से नागों या सांपों को समर्पित है, जिनकी हिंदू पौराणिक कथाओं में पूजा की जाती है. इस दिन बड़ी संख्या में भक्त नागों की पूजा करते हैं. यह त्योहार भारत और नेपाल में भी पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल नाग पंचमी सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 17 अगस्त को मनाई जाएगी.

नाग पंचमी सावन के महीने में आती है जो भगवान शिव को समर्पित एक पवित्र महीना है. हिंदू शास्त्रों के अनुसार, नागों को हमेशा एक विशेष स्थान दिया जाता है और उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाता है. नाग पंचमी के इस शुभ दिन पर, भक्त भगवान के रूप में नागों, सर्पों या सांपों की पूजा करते हैं. लोग मिट्टी से सांप बनाते हैं और उन्हें अलग-अलग रूप देते हैं और उन्हें रंगते हैं, उनकी पूजा करते हैं और दूध और अन्य खाद्य पदार्थ चढ़ाते हैं. कई लोग विशेष रूप से दक्षिण भारत में नागों या सांपों से जुड़े मंदिरों में जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं. उन मंदिरों में विशेष पूजा की जाती है और लोग इस त्योहार को बहुत भव्यता के साथ मनाते हैं. सपेरे भी सांपों को लेकर सड़कों पर निकलते हैं और उन्हें दूध और पैसे चढ़ाए जाते हैं.

नाग पंचमी का क्या है इतिहास

हिंदू धर्म में नाग पंचमी के उत्सव से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं. ऐसी ही एक लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और कंस की है. चूंकि भगवान कृष्ण को कंस के अंत का कारण माना जाता था, इसलिए कंस ने भगवान कृष्ण को मारने के लिए कालिया नामक एक सांप को भेजा था. एक दिन जब भगवान कृष्ण नदी के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तो उनकी गेंद पानी में गिर गई. जब वह अपनी गेंद को खोजने के लिए पानी में उतरे, तो उन पर कालिया ने हमला कर दिया. लेकिन अपनी विशेष शक्तियों के कारण, कृष्ण ने न केवल सांप को हराया बल्कि उस पर विजय प्राप्त की और उसके सिर पर बैठकर बांसुरी बजाई. कालिया ने बालकृष्ण से माफ़ी मांगी और वादा किया कि वह कभी भी गांव वालों को नुकसान पहुंचाने के लिए वापस नहीं आएगां यह दिन कालिया पर बालकृष्ण की जीत का प्रतीक है.

नाग पंचमी मंत्र

ऊँ नवकुलया विद्महे विषदंतये धीमहि तन्नो सर्प: प्रचोदयात..!!

आपको बता दें कि नाग पंचमी के दिन लोहे की वस्तुओं का प्रयोग वर्जित माना जाता है. ऐसे में अगर आप लोहे के तवे पर रोटी बनाते हैं तो यह बहुत ही अशुभ माना जाता है. इतना ही नहीं, ऐसी भी मान्यता है कि तवे को सांप के फन का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में तवे को आंच या गैस पर चढ़ाने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं. इसलिए नाग पंचमी के दिन तवे को चूल्हे पर नहीं रखना चाहिए. इसके अलावा तवे को राहु का प्रतीक भी माना जाता है. वहीं, अगर इस दिन तवे का प्रयोग किया जाए तो आपकी कुंडली में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है. जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं. इसलिए इस दिन रोटी खाना वर्जित माना जाता है. इसके साथ ही अगर कोई नाग पंचमी के दिन रोटी खाता है तो उसके जीवन में धन की कमी भी होती है.

नाग पंचमी पर क्यों पीटते हैं गुड़िया

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक लड़का महादेव का बहुत बड़ा भक्त था. वह प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिर जाता था. उस लड़के को मंदिर में प्रतिदिन नाग देवता के दर्शन होते थे. एक बार सावन के महीने में जब वह लड़का अपनी बहन के साथ शिवलिंग की पूजा करने आया. तब भाई-बहन की पूजा से प्रसन्न होकर नाग देवता उन दोनों के पास आकर बैठ गए. यह देखकर लड़के की बहन बहुत डर गई. उसे लगा कि कहीं सांप उसके भाई को न काट ले, इसलिए उसने सांप को डंडे से पीटना शुरू कर दिया. जिससे सांप बहुत घायल हो गया. भाई सांप की हालत देखकर बहुत दुखी हो रहा था. उस समय मंदिर में उपस्थित पुजारी ने कहा कि एक निर्दोष सांप को प्रताड़ित करने के कारण बहन पर सर्प श्राप लग गया है, जिसके कारण तुम्हारी बहन को कई गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. भाई ने इस श्राप से मुक्ति पाने का उपाय पूछा तो पुजारी ने उसे कपड़े की एक गुड़िया बनाने को कहा. लड़के ने पुजारी के बताए अनुसार कपड़े की एक गुड़िया बनाई और उसे 11 बार सीधा और 11 बार उल्टा पीटना शुरू कर दिया. फिर उसने गुड़िया को जमीन में गहरा गाड़ दिया और इसके बाद सांप की पूजा की. भाई के ऐसा करते ही बहन को सर्प श्राप से मुक्ति मिल गई. कहा जाता है कि तभी से नाग पंचमी पर गुड़िया को पीटा जाने लगा ताकि नाग देवता को किसी भी प्रकार की पीड़ा न हो.





कब है नाग पंचमी? सही तारीख, पूजा का शुभ समय

मुहूर्त और राहुकाल का समय

नाग पंचमी का पर्व सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में पंचमी तिथि दो तारीखों यानी 16 और 17 अगस्त को पड़ रही है। इसी वजह से लोगों के बीच यह सवाल है कि नाग पंचमी का व्रत और पूजन 16 अगस्त को किया जाए या 17 अगस्त को। पंचांग के अनुसार तिथि और सूर्योदय के नियम को समझने पर इस सवाल का स्पष्ट उत्तर मिल जाता है।

नाग पंचमी 16 या 17 अगस्त को?

दृक पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पंचमी तिथि 16 अगस्त को शाम 4 बजकर 52 मिनट पर आरंभ होगी और 17 अगस्त को शाम 5 बजे समाप्त होगी। यानी पंचमी तिथि 16 अगस्त की शाम से शुरू होकर अगले दिन शाम तक रहेगी। हिंदू धर्म में अधिकतर व्रत और त्योहार उस तिथि के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं, जो सूर्योदय के समय मौजूद रहती है। 17 अगस्त को सूर्योदय के वक्त पंचमी तिथि विद्यमान रहेगी। इस दिन सूर्योदय सुबह 5 बजकर 51 मिनट पर होगा। इसलिए पंचांग और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त 2026 को मनाना उचित रहेगा।

पूजा का शुभ समय

17 अगस्त को नाग पंचमी की पूजा के लिए सुबह 5:51 बजे से 8:29 बजे तक का समय शुभ रहेगा। इस 2 घंटे 37 मिनट की अवधि में नाग देवता की पूजा-अर्चना की जा सकती है। मान्यता है कि नाग पंचमी पर विधि-विधान से पूजा करने और शिव आराधना करने से नाग संबंधी दोषों से राहत मिलती है। कालसर्प दोष से जुड़े उपाय भी इस दिन किए जाते हैं। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:24 बजे से 5:08 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:59 बजे से दोपहर 12:51 बजे तक रहेगा। निशिता मुहूर्त रात 12:03 बजे से 12:47 बजे तक रहने वाला है।

नाग पंचमी पर राहुकाल का समय

17 अगस्त को राहुकाल सुबह 7:30 बजे से 9:08 बजे तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राहुकाल में राहु-केतु से संबंधित दोषों की शांति के लिए भगवान शिव की आराधना की जाती है। कालसर्प दोष को भी राहु और केतु से जुड़ा माना जाता है। ऐसे में इस दिन शिव पूजन, मंत्र जाप और दोष निवारण से जुड़े धार्मिक उपाय किए जा सकते हैं।



नाग पंचमी पर बनेंगे रवि और शुभ योग

इस बार नाग पंचमी के दिन दो विशेष योग बन रहे हैं। इनमें पहला रवि योग है, जो 17 अगस्त को सुबह 5:51 बजे से शुरू होकर सुबह 8:04 बजे तक रहेगा। इसके बाद रवि योग 18 अगस्त को सुबह 4:58 बजे से 5:52 बजे तक रहेगा। ज्योतिषीय मान्यता में रवि योग को शुभ माना जाता है और इस दौरान किए गए शुभ कार्यों के लिए यह समय अनुकूल माना जाता है। इसके अलावा 17 अगस्त को सुबह से शुभ योग भी रहेगा, जो 18 अगस्त को तड़के 3:29 बजे तक चलेगा। इसके बाद शुक्ल योग आरंभ हो जाएगा।



नाग पंचमी पर करें नाग दोष और काल सर्प दोष से जुड़े ये अचूक उपाय

नाग पंचमी पर सावन में भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की भी पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से न केवल सर्प दोष दूर होते हैं, बल्कि नाग को दूध पिलाने से कई संकट भी दूर होते हैं। आइए जानते हैं, नाग पंचमी की सही तिथि, पूजा की विधि और इस बारे में कि यह योग किस प्रकार आपके लिए लाभकारी है ...

अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि काल सर्प दोष और नाग दोष में क्या अंतर है। सनातन धर्म में नागों का विशेष महत्व है और उन्हें देवता के रूप में पूजा जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में सर्पों से जुड़े दोषों का उल्लेख मिलता है जिन्हें नाग दोष और काल सर्प दोष के नाम से जाना जाता है। इन दोषों से व्यक्ति के जीवन में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं। हालांकि अक्सर लोग नाग दोष और काल सर्प दोष को एक मान कर गलत पूजा या उपाय कर लेते हैं जिसके कारण इन दोषों का प्रभाव कम होने के बजाय बढ़ जाता है।

क्या होता है नाग दोष?

नाग दोष मुख्य रूप से राहु के नकारात्मक प्रभाव के कारण बनता है। यह तब उत्पन्न होता है जब कुंडली में राहु या केतु का संबंध कुछ विशेष भावों जैसे पहला, दूसरा, पांचवां, सातवां, आठवां आदि होता है। नाग दोष अक्सर पूर्वजों से संबंधित कर्मों या किसी नाग के अनादर के कारण उत्पन्न माना जाता है। यदि पूर्वजों ने अनजाने में किसी नाग को क्षति पहुंचाई हो या फिर किसी नाग को भूल से मार दिया हो और फिर उसके बाद उस नाग का विधिवत अंतिम संस्कार न किया हो और न ही क्षमा मांगी हो। नाग दोष से पीड़ित व्यक्ति को सबसे ज्यादा वैवाहिक जीवन में परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

क्या होता है काल सर्प दोष?

कालसर्प दोष तब बनता है जब राहु और केतु के बीच कुंडली के सभी 7 ग्रह सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि आ जाते हैं। इसमें कुंडली का आधा हिस्सा राहु-केतु के बीच घिर जाता है और बाकी आधा खाली रहता है। यह दोष 12 प्रकार के हैं जो राहु-केतु की स्थिति पर निर्भर करते हैं। कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को जीवन में संघर्ष, काम में बार-बार बाधाएं, आर्थिक परेशानियां, स्वास्थ्य समस्याएं और रिश्तों में तनाव का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि इस दोष से पीड़ित लोगों को नींद में सांप दिखने लगते हैं या फिर बहुत ज्यादा गला घुटने जैसा महसूस होने लग जाता है।

नाग दोष और काल सर्प दोष के उपाय

नाग दोष और काल सर्प दोष से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव का अभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि नाग शिवजी के गले का हार हैं। ऐसे में शिव पूजन से इन दोनों दोषों का प्रभाव निष्फल हो जाता है। इसके अलावा, ऊँ नमः शिवाय मंत्र का रोजाना जाप भी बहुत असरदार है। किसी भी सोमवार या फिर नाग पंचमी के दिन चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा बनवाएं। इसे एक थाली में रखकर कच्चा दूध, बताशा और फूल अर्पित करें। फिर ऊँ नागेंद्रहाराय नमः मंत्र का जाप करते हुए इस जोड़े को शिवलिंग पर अर्पित कर दें।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.

HDFC BANK
We understand your world

Mega Exchange Offer
Limited time only

Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models

- Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
- Assured Gifts upto ₹12448/-
- Total Exchange Benifits ₹24448/-

Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above

Hurry !!! Rush to your nearest dealer

Customer care no. : 18001209630